नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -15 ◆ अंक: 277 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 3 ₹ ◆ पृष्ठ : 8

धरमजयगढ़, मंगलवार 1 अगस्त 2023

पेज -4 पर

खेल तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता , खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने ...

कांग्रेस की वादाखिलाफी की वजह से गई संविदाकर्मी की जान- ओपी चौधरी

पेज -8 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

निर्धारित प्रक्रिया के पालन बिना विकास की कहानी मनगढ़ंत

मलका के महाप्रबंधक का खोखला दावा और प्रयोजित प्रचार की हकीकत

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

किसी भी विकास परियोजना के क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा निर्धारित नियम कानून के पालन की अनिवार्यता तय की जाती है। यह इसलिए कि पारदर्शिता के साथ विकास कार्य का संचालन किया जा सके।

निश्चित रूप से ऐसे कार्यों में स्थानीय समुदाय के हित निहित होते हैं जो कि हर परियोजना का अनिवार्य हिस्सा होता है। यह अलग बात है कि कई अन्य उद्योग समूहों द्वारा ग्रामीणों को रोजगार व अन्य निर्धारित सुविधाएं मुहैया कराने का दावा किया गया लेकिन दशकों बाद भी प्रभावित अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विकास का एक रुप ऐसा भी है जिसमें क्षेत्र का राजनीतिक प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्गजों के क्षेत्र के ग्रामीण आज भी अपने अधिकारों के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। बहरहाल हम बात कर रहे हैं धरमजयगढ़ में प्रस्तावित एक लघु जल विद्युत परियोजना की। जिसके लिए प्रभावित क्षेत्र में तेजी से काम चालू हो गया है। पानी से बिजली उत्पादन करने के इस बड़े प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन मलका रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा किया जा रहा है। बता दें कि शासन द्वारा निर्धारित नियमों के तहत इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिली है लेकिन अब इस प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के बारे में तय किये गए नियम व शर्तों को लेकर मलका कंपनी व स्थानीय प्रशासन द्वारा अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। इस प्रोजेक्ट में प्रभावित किसानों के हितों की अनदेखी करने के मामले में पिछली रिपोर्ट में हमने बताया था कि बिना किसी वैध प्रक्रिया के कंपनी निजी जमीन का उपयोग कर रही है। जिसके संबंध में धरमजयगढ़ एसडीएम डिगेश पटेल ने तब बताया था कि कंपनी द्वारा प्रभावित निजी जमीन की खरीदी की जाएगी।

कथनी और करनी में अंतर

इस मामले पर पूर्व में की गई एक रिपोर्ट प्रकाशन के बाद कंपनी के महाप्रबंधक के हवाले से किए गए इस दावे के साथ दूसरी खबर आई कि नियमानुसार प्रभावित किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इस खबर में कंपनी का समर्थन करने वाली कुछ अन्य बातों का भी उल्लेख किया गया। लेकिन इसमें सबसे महत्वपूर्ण व तीसरे पक्ष यानी स्थानीय प्रशासन को शामिल नहीं किया गया। ऐसे में यह संबंधित कंपनी का प्रायोजित प्रचार-प्रसार का एक मामूली प्रयास मात्र लगता है। यह कंपनी के महाप्रबंधक द्वारा भूमि अधिग्रहण के कथित दावे को इसलिए भी हल्का करता है क्योंकि इस प्रायोजित गुणगान में स्थानीय प्रशासन के आला अधिकारी का पक्ष रखने से परहेज किया गया।

तो यह हैरान करने वाली स्थिति है जिसमें किसी भी संबंधित व जिम्मेदार पक्ष को यह ठीक ठीक पता नहीं है कि वास्तव में परियोजना से संबंधित निजी जमीन के उपयोग के संबंध में किस तरह की प्रक्रिया का पालन किया जाना है। यह अविश्सनीय है कि बिना किसी निर्धारित प्रक्रिया के एक बड़े परियोजना का काम शुरू कर दिया जाता है और संबंधित कंपनी के कथनी और करनी में जमीन आसमान का फर्क नजर आता है। ऐसा इसलिए कि एक ओर मलका कंपनी के महाप्रबंधक के हवाले से यह बताया जा रहा है कि प्रभावित किसानों की जमीनों का अधिग्रहण शासन के नियमों के मुताबिक किया जाना है जबकि इसके उलट यह बात सामने आई है कि कंपनी द्वारा जमीन की खरीदी की गई है। संबंधित विभाग के एक जिम्मेदार ने कंपनी द्वारा जमीन खरीदे जाने की पुष्टि की है।

प्रक्रिया को लेकर बढ़ रहा संशय

इस प्रकार यह मामला और पेचीदा होते जा रहा है जिसमें यह तय कर पाना मुश्किल हो रहा है कि निजी जमीन की खरीदी होगी या अधिग्रहण। दोनों प्रक्रियाओं के लिए अलग-अलग नियम कानून बने हुए हैं। तो प्रयोजित प्रचार के रुप में कंपनी का यशोगान करने के फेर में इस बात को बुरी तरह नजर अंदाज किया गया है कि जब किसी कार्य के लिए निर्धारित मापदंड स्पष्ट नहीं होते हैं तो उसे किसी भी पैमाने पर विकास के रुप में नहीं देखा जा सकता है। यह कहना गलत है कि कंपनी लगने से क्षेत्र का विकास नहीं होगा। बिलकुल होगा, लेकिन जब तक यह बात स्पष्ट नहीं हो जाती कि विकास किन मापदंडों से होकर गुजरेगा, तब तक उसे अंधाधुन विकास के रुप में ही पहचाना जाता रहेगा। यह भी कि विकास नितांत आवश्यक है लेकिन प्रभावित किसानों की जमीनों को लेकर अनिश्चित वर्तमान को देखते हुए इस प्रोजेक्ट से लोगों के सुनहरे भविष्य का कपोल कल्पित और प्रयोजित प्रोपेगेंडा न केवल भ्रामक बल्कि विशुद्ध रूप से मनगढ़ंत भी लगता है। बेहतर होगा कि प्रशासन व मलका कंपनी आपस में मिलकर पहले यह तय कर लें कि आखिर प्रभावित किसानों के हित के लिए किन निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना है।

एक नजर

छत्तीसगढ़ में चुनाव के लिए कांग्रेस के ऑब्जर्वर नियुक्त

प्रीतम सिंह को सीनियर ऑब्जर्वर और मीनाक्षी नटराजन को ऑब्जर्वर बनाया गया

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत 5 राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होगा। जिसको लेकर कांग्रेस हाईकमान ने इन पांचों राज्यों में ऑब्जर्वर नियुक्त कर दिए हैं। छत्तीसगढ़ में ये जिम्मेदारी कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह और मीनाक्षी नटराजन को मिली है। विधानसभा चुनाव के लिए सीनियर ऑब्जर्वर प्रीतम सिंह को बनाया गया है जबकि मीनाक्षी नटराजन को ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में भी ऑब्जर्वर्स बनाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय बालगंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं समाज सुधारक श्री बालगंगाधर तिलक की एक अगस्त को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है।

शराब घोटाले के आरोपियों पर नोएडा में एफआईआर

अनवर ढेबर समेत 2 आईएएसअफसरों, एपी त्रिपाठी और होलोग्राम कारोबारी पर केस दर्ज

रायपुर। शराब घोटाला मामले में अब एक नया मोड़ आ गया है । प्रवर्तन निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर हेमंत कुमार ने नोएडा के कासना थाना में शराब घोटाले के आरोपियों पर एफआईआर दर्ज करवाई है। अब नोएडा की पुलिस इन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है उनमें आबकारी विभाग के अधिकारी रह चुके ITS अफसर अरुण पति त्रिपाठी, आईएएस निरंजन दास, होलोग्राम कारोबारी विधु गुप्ता, अनवर ढेबर और एक वरिष्ठ आईएएस ऑफिसर शामिल है। इन सभी के खिलाफ धारा 420, 468 ,471 ,473 ,484, 120 बी के तहत केस दर्ज किया गया है।

शराब घोटाला जांच में ED को पता चला कि नोएडा स्थित आरोपी विधू गुप्ता की कंपनी मेसर्स प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड को अवैध तरीके से खड़ा किया गया। इसे गलत तरीके से छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग को होलोग्राम की आपूर्ति के लिए टेंडर दिया गया। इस कंपनी के मालिकों, राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत से करोड़ों का काम किया। इसमें अरुणपति त्रिपाठी आईटीएस (विशेष सचिव उत्पाद शुल्क), निरंजन दास आईएएस (आबकारी आयुक्त), समेत एक और IAS निविदा से जुड़ी प्रक्रिया को मॉनिटर कर रहे थे। इन्होंने ही टेंडर कंपनी को दिया। बदले में, उन्होंने प्रति होलोग्राम 8 पैसे का कमीशन लिया।

नोएडा में डुप्लीकेट होलोग्राम बनाने वाले कारोबारी गुप्ता ने ED की जांच में बताया कि अरुण पति त्रिपाठी मुझे टेलीफोन पर कई सीरियल नंबर देते थे, ये होलोग्राम की संख्या वो होती थी जो पहले ही मुद्रित की जा चुकी है और उत्पाद शुल्क को आपूर्ति की जा चुकी है। इसके बाद फर्जी होलोग्राम बनते थे। इसे शराब की बोतलों पर लगा दिया जाता था। इससे राज्य के खजाने को 1200 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ और आरोपियों को अवैध लाभ हुआ।

मिनीमाता की पुण्यतिथि पर छग आएंगे खड़गे

रायपुर। कांग्रेस के विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत जांजगीर-चांपा से हो सकती है। 11 अगस्त को मिनीमाता की पुण्यतिथि के अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे छत्तीसगढ़ आ सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा के साथ बैठक में कहा था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी की सभा कराई जाए। इसके बाद यह संकेत मिल रहा है कि खरगे जांजगीर आ सकते हैं। विधानसभा चुनाव की दृष्टि से अविभाजित जांजगीर जिले की छह में सिर्फ दो सीट पर कांग्रेस विधायक हैं। बाकी दो सीट पर भाजपा और दो सीट पर बसपा विधायक हैं। ऐसे में कांग्रेस खरगे से चुनाव प्रचार अभियान की जांजगीर से शुरुआत करके अनुसूचित जाति बहुल विधानसभा क्षेत्र के वोटरों को साधने की फिराक में है। प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए दस विधानसभा सीट आरक्षित है। वर्तमान में सात पर कांग्रेस, दो पर भाजपा और एक सीट पर बसपा के विधायक हैं। कांग्रेस ने एससी वोटरों को साधने के लिए हर ब्लाक में जैतखाम बनाने की घोषणा की है।

फांसी लगाने से हुई थी रशियन महिला की मौत

पीएम रिपोर्ट आया सामने, कारण बना रहस्य

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में दस दिन पहले किर्गिस्तान की रहने वाली 25 वर्षीय नीना बिदनेकों द्वारा अशोका रतन के फ्लैट की बालकनी में फांसी लगाकर खुदकुशी करने का मामला अब रहस्य बना हुआ है।पुलिस को अब जाकर विदेशी महिला के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिली है जिसमें हैगिंग से मौत होने का उल्लेख डाक्टरों ने किया है।इससे साफ है कि महिला ने खुदकुशी की थी लेकिन उसने आत्मघाती कदम क्यों उठाया यह सवाल उठने लगा है।

विदेशी एंबेसी और स्वजनों से संपर्क के बाद पुलिस ने महिला के शव को हफ्ते दिन पहले किर्गिस्तान भिजवाया था।महिला की मौत की वजह अब तक पुलिस नहीं खोज सकी है।इमरान फारूखी से वह कैसे मिली इस बात पर भी पुलिस ने परदा डाल रखा है।

उल्लेखनीय है कि खुदकुशी करने के पहले विदेशी महिला ने पहले दोस्त इमरान फारूखी को वाट्सएप से वीडियो संदेश भेजा था। दोनों की दोस्ती इंटरनेट मीडिया के माध्यम हुई थी।एक वर्ष पहले वह रायपुर आई थी।वह टैटू आर्टिस्ट थी।

न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी बने बिलासपुर हाई कोर्ट के स्थाई जज

चीफ जस्टिस श्री रमेश सिंह ने दिलायी शपथ

रायपुर। मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने आज छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के कोर्ट हाल नम्बर 1 में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्री दीपक कुमार तिवारी को स्थायी जज के रूप में शपथ दिलाई। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति श्री दीपक कुमार तिवारी की नियुक्ति 08 अक्टूबर 2021 को एडिशनल जज छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में हुई थी। विधि एवं विधायी कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा 28 जुलाई 2023 को न्यायमूर्ति श्री दीपक कुमार तिवारी को स्थायी जज में नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की गयी थी। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में समस्त न्यायमूर्तिगण रजिस्ट्री व ज्यूडिशियल एकेडमी के न्यायिक अधिकारीगण, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर, प्रमुख सचिव, विधि एवं विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय, रायपुर अधिवक्तागण एवं न्यायमूर्ति श्री दीपक कुमार तिवारी के परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक... सभी निर्माण एजेंसिया आपस में समन्वय बनाकर करें सड़कों का निर्माण

बारिश के बाद सड़कों की त्वरित गति से करें मरम्मतः मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को बारिश खत्म होने के तुरंत बाद सड़कों की मरम्मत करवाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने की लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा है कि आम जनता के सुविधा के लिए सड़कों के अधूरे कार्य, सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण के कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य में सड़क निर्माण के कार्य मे लगी सभी एजेंसियों को आपस में सामंजस्य बनाकर तेजी से काम करना है। मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान रायपुर शहर के चार महत्वपूर्ण कार्यों की भी जानकारी ली। इसमें तेलीबांधा में फ्लाईओवर का निर्माण, शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक सड़क निर्माण, अटल एक्सप्रेस वे से वीआईपी रोड़ निर्माण तथा खारून रिवर फ्रंट के निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने विशेष तौर पर शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक निर्माण तथा भू -अर्जन प्रकरण समेत लगभग 137 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली 510 मीटर लंबी सड़क को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते हुए जल्द ही इसका कार्य शुरू कराने की बात कही है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक लेते तेलीबांधा ओवरब्रिज और एक्सप्रेस वे को वीआईपी रोड से जोड़ने वाले ओवरब्रिज के बारे में भी अधिकारियों से समीक्षा की। बैठक में लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, शिक्षा मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, नगरीय प्रशासन विभाग के विशेष सचिव श्री अयाज भाई तंबोली, सीजीआरआईडीसीएल के प्रबंध संचालक श्री सारांश मित्तर एवं लोक निर्माण विभाग के ईएनसी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में राज्य प्रशासनिक सेवा के 23 अफसरों के तबादले

*शैलाभ साहू दुर्ग **RTO**, मुकेश कोठारी डिप्टी कलेक्टर रायपुर बनाए गए*

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक सर्जरी का दौर जारी है। सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 23 अफसरों का तबादला आदेश जारी किया है। जिसमें रायपुर RTO की जिम्मेदारी सम्भालने वाले शैलाभ साहू को दुर्ग की जिम्मेदारी दी गई है।

मुकेश कोठारी डिप्टी कलेक्टर रायपुर बनाए गए हैं। इसी तरह वीरन्द्र सिंह को राजनांदगांव RTO की जिम्मेदारी दी गई है। अनुभव शर्मा को बिलासपुर और भूपेन्द्र कुमार गावरे को बलौदा बाजार-भाटापारा का RTO बनाया गया है।

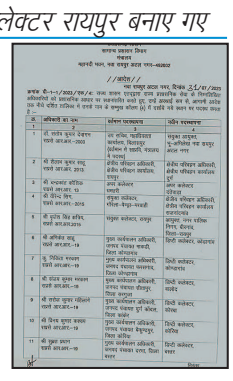

मणिपुर के आईने में भारतीय राष्ट्रवाद और इतिहास का सबसे बड़ा संकट

लगभग तीन महीने से जातीय हिंसा में झुलस रहे मणिपुर में महिलाओं के साथ बर्बरता का एक वीडियो देख पूरा देश सन्न रह गया। जिन महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया, उनमें एक महिला फौजी की प ी है, जिसने कारगिल में युद्ध लड़ा था। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी सैकड़ों घटनाएं हुई हैं। मणिपुर में जारी हिंसा में लगभग 155 लोग मारे जा चुके हैं। करीब 60,000 लोग बेघर हो गए हैं। 5000 से ज्यादा आगजनी की घटनाएं हुई हैं। राज्य भर में थाने लूटे गए हैं। हजारों की संख्या में हथियार और लाखों कारतूस संघर्षरत समुदायों के हाथ में पहुंच चुके हैं।

अब इस आग की लपटें मिजोरम तक पहुंचने लगी हैं। इतने संवेदनशील हालात के बाद भी केंद्र और राज्य सरकारों का रवैए पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं। जब वह भयावह वीडियो वायरल हुआ तो प्रधानमंत्री ने चुप्पी तोड़ी, लेकिन इसके बाद मणिपुर के मुद्दे को सभी राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से ढंकने की कोशिशें शुरू हो गईं।

दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मणिपुर में अब कोई बीच का रास्ता रह ही नहीं गया है। विभिन्न समुदाय अपने रुख को ज्यादा से ज्यादा कट्टर बनाते जा रहे हैं। नागरिक समाज का विलोप हो चुका है और दो संघर्षरत समुदायों के बीच बातचीत-समझौते के लिए अनिवार्य नैतिक प्रतिष्ठा राजनीतिक दल खो चुके हैं। इस बीच राहुल गांधी का मणिपुर दौरा काफी अहम था। उनके दौरे को पीड़ित समुदायों के घावों पर मलहम लगाने के प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है। भारत एक महादेश है। यह अपने अंदर पूर्वोत्तर से लेकर सुदूर दक्षिण तक भौगोलिक, भाषाई, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर स्थानीय अस्मिता की भावनाएं समेटे है। ये भावनाएं किसी समुदाय की पहचान, बोली, भाषा, धार्मिकता या संस्कृति से जुड़ी हो सकती हैं। इनकी अभिव्यक्ति अपने-अपने तरीके से होती है। कभी संगठन बनाकर, कभी अलग झंडों के जरिये या कभी सत्ता और संपत्तियों में सुरक्षित, उचित भागीदारी पाकर। ये अस्मिताएं मिलकर अखिल भारतीय अस्मिता के साथ जुड़ती हैं। इन्हीं पहचानों, इन्हीं अभिव्यक्तिओं से या कहें कि इन्हीं तमाम स्थानीय उप-राष्ट्रीयताओं से मिलकर अखिल भारतीय राष्ट्रीयता बनती है। भारत

मणिपुर में जारी हिंसा में लगभग 155 लोग मारे जा चुके हैं। करीब 60,000 लोग बेघर हो गए हैं। 5000 से ज्यादा आगजनी की घटनाएं हुई हैं। राज्य भर में थाने लूटे गए हैं। हजारों की संख्या में हथियार और लाखों कारतूस संघर्षरत समुदायों के हाथ में पहुंच चुके हैं।

राष्ट्र का काम है इन सभी स्थानीय राष्ट्रीयताओं को भारतीय राष्ट्रवाद की बड़ी छतरी के नीचे लाना और उन्हें यह भरोसा देना कि हम सब मिलकर एक हैं। यह एक नाजुक काम है। इसमें दूरंदेशी, उदारता, गहरी समझ और बड़े भविष्य का खाका बनाने की क्षमता होनी चाहिए। यह चलताऊ तौर से नहीं किया जा सकता। इसे चुनावी लाभ या आर्थिक लाभ मात्र के दृष्टिकोण से किया जाना घातक हो सकता है। यहां समझने की जरूरत है कि राजनीतिक विचारधाराएं विभिन्न भारतीय अस्मिताओं को किस नजरिए से देखती हैं। हजारों वर्षों की सघन सामाजिक प्रक्रिया में पैदा हुई इन भारतीय अस्मिताओं को यदि चुनावी फायदे के लिए एक जरिया, एक औजार, 'टूल' मानकर राजनीतिक दल या सरकारें चलेंगी तो परिणाम मणिपुर जैसे ही आएंगे।

चुनावी लाभ और सत्ता के लिए भाजपा-आरएसएस ने हमेशा से भारतीय राष्ट्रवाद के महासागर को एक संकीर्ण रूप में दिखाने की कोशिश की है। सत्य यह है कि महान विविधताओं से भरे हमारे भारत देश, जहां संस्कृति, परंपरा और विभिन्न एथनिक समुदाय आपस में, एक दूसरे में गड्डमड्ड हैं, को आरएसएस के 'हिंदू-गैर हिंदू' नजरिए से देखने का परिणाम यही होगा कि अन्य अस्मिताएं ऐसे ही सरलीकृत ढंग से इसे आजमाने लगेंगी।

जाहिराना भाजपा देश के अंदर मौजूद स्थानीय अस्मिताओं और उप राष्ट्रीयताओं को सुरक्षा और अपनेपन का भाव देने में असफल हो गई और इसका भारतीय समाज के हर एक समुदाय पर दूरगामी असर पड़ा है। सबसे बड़ी बात भाजपानीत केंद्र सरकार की इस बदली हुई भूमिका, संकीर्ण और आक्रामक राष्ट्रवाद के चलते तमाम छोटी-छोटी एथनिक, सांस्कृतिक, धार्मिक अस्मिताएं मजबूर होकर अपनी-अपनी पहचानों को लेकर और कट्टर हो गईं और किसी अनहोनी के लिए अपने को तैयार करने लगीं। मणिपुर का मौजूदा हाल बताता है कि चुनावी स्वार्थ वश किसी भी वर्ग/धर्म/कौम विशेष के खिलाफ चलाया गया कोई भी राजनीतिक अभियान अंत में भस्मासुर ही बनता है, क्योंकि धीरे-धीरे यह संकीर्ण नजरिया ही आपकी सोच बन जाता है। पिछले कुछ सालों से भारत के संघीय ढांचे पर लगातार हमला हो रहा है।

धर्म, भाषा और संस्कृति के आधार पर राज्य प्रायोजित विभाजन और हमले किए जा रहे हैं। मणिपुर, भारत के संघीय ढांचे पर हो रहे हमले का पहला पीड़ित है। गौरतलब है कि पूर्वी भारत में ही वंदे मातरम और जन गण मन की रचना हुई। पूर्वी भारत से नवजागरण की शुरुआत हुई। पूर्वी भारत ही हमारे राष्ट्रीय आंदोलन का प्रमुख केंद्र बना। जिस पूर्वी भारत से भारतीय राष्ट्रवाद का उदय हुआ था, आज उसी पूर्वी भारत में उसे चुनौती मिल रही है। भारतीय राष्ट्रवाद आज वाकई इतिहास के सबसे बड़े संकट का सामना कर रहा है।

संदीप सिंह

संपादकीय

विदेश नीति की बढ़ती चुनौतियां

विश्व शांति को बढ़ते खतरों के बीच विकासशील देशों की विदेश नीति संबंधी कठिनाइयां और चुनौतियां बढ़ गई हैं। इस संदर्भ में मूलतः उनके सरोकार दो तरह के हैं और उनमें समन्वय बनाना जरूरी है।

उनका पहला उद्देश्य यह है कि विश्व की बढ़ती जटिलताओं के बीच वे अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करें व अपने देश के लोगों के हितों की रक्षा करें। उनका दूसरा उद्देश्य यह है, या होना चाहिए कि विव अमन शांति में, न्याय व समता आधारित वि व्यवस्था में, वि स्तर पर पर्यावरण की रक्षा में भरसक अपना सहयोग दें। जहां तक राष्ट्रीय हितों का सवाल है तो स्पष्ट है कि कोई भी देश ऐसी स्थिति में नहीं आना चाहेगा, जिससे उसकी संप्रभुता और सीमाओं के खतरा पहुंचे। इसके साथ कोई भी विकासशील देश यह चाहेगा कि कृषि व खाद्य, व्यापार, निवेश, विदेशी कर्ज, करेंसी, पेटेंट, टैक्स, खनिज, ऊर्जा, जैविक संपदा व पर्यावरण आदि के मामलों में उससे अन्याय न किया जाए व अंतरराष्ट्रीय आर्थिक स्थिति ऐसी बनी रहे जो देश की स्थितियों के अनुकूल हो। अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए विकासशील देशों को चाहिए कि अमेरिका व नाटों देशों की रूस व चीन के प्रति जो दुश्मनी है, उसमें वे किसी एक गुट से न जुड़े अपितु गुट-निरपेक्ष देशों की ताकत को बढ़ाएं। कुल मिलाकर संयुक्त राज्य अमेरिका की नीतियां इराक, लीबिया, ईरान, सीरिया यमन व अफगानिस्तान जैसे कई देशों के प्रति बहुत अन्यायपूर्ण रही हैं, व जहां ऐसी नीतियों का विरोध जरूरी है, वहां करना चाहिए पर इस तरह से कि इतनी बड़ी सैन्य महाशक्ति से दुश्मनी न मोल ली जाए।

चेतावनी प्रणाली से बचती जान, जनहानि कम करने में निभा रहीं अहम भूमिका

पिछले हफ्ते महाराष्ट्र में बचावकर्मी मुश्किल इलाकों और खराब मौसम में सौ लोगों की तलाश करते हुए जूझ रहे थे, जिनके भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में फंसे होने की आशंका थी, जिनमें कई लोगों की मौत हो गई थी। मुंबई से सौ किलोमीटर से भी कम दूरी पर इरशालवाडी के सुदूर पहाड़ी इलाके में आधी रात को जमीन ढह गई थी। लेकिन अब ऐसी आपदा कोई नई बात नहीं है। मणिपुर की हिंसा और दिल्ली की राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद यह पहले पन्ने की खबर बनी। जलवायु परिवर्तन के दौर में यह हैरान करने वाली बात नहीं है।

हाल ही में जारी एशिया-प्रशांत आपदा रिपोर्ट (2023) के मुताबिक, एशिया-प्रशांत क्षेत्र दुनिया में सर्वाधिक आपदा संभावित क्षेत्र बना हुआ है, जहां 1970 के बाद से आपदाओं में 20 लाख लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 140 से ज्यादा आपदाएं आईं, जिनमें 7,500 से ज्यादा मौतें हुईं, 6.4 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए और अनुमानतः 57 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ।

एशिया-प्रशांत आर्थिक एवं सामाजिक आयोग की यह रिपोर्ट हमें बताती है कि पिछले दशकों में आपदाओं के प्रभाव और भयावहता से संकेत मिलता है कि जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक खतरों को और भी अधिक निरंतर एवं तीव्र बना रहा है, जिसमें बाढ़, उष्णकटिबंधीय चक्रवात, लू, सूखा और भूकंप शामिल हैं, जिससे जनहानि, विस्थापन, स्वास्थ्य की क्षति होती है और लाखों लोग गरीबी में चले जाते हैं। इसके अलावा, खाद्य एवं ऊर्जा व्यवस्था बाधित होती है, अर्थव्यवस्थाएं अस्थिर हो रही हैं और समाज कमजोर हो रहे हैं। रिपोर्ट चेताती है कि आपदा के मौजूदा प्रमुख केंद्रों में जोखिम बढ़ने के अनुमान हैं और आपदा के नए केंद्र सामने आएंगे।

हम जानते हैं कि भारत बाढ़, सूखा और च वात जैसी चरम जलवायु घटनाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के 35 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में से 27 अब अत्यधिक जल-मौसमी आपदाओं एवं उनके मिश्रित प्रभावों के प्रति संवेदनशील हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बहु-आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली आपदा से होने वाले नुकसान को 60 फीसदी तक कम कर सकती है। ऐसी प्रणाली जान-माल सुरक्षा का एक लागत प्रभावी तरीका है और निवेश पर दस गुना रिटर्न मिलता है। हम जानते हैं कि भारत बाढ़, सूखा और चक्रवात जैसी चरम जलवायु घटनाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के 35 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में से 27 अब अत्यधिक जल-मौसमी आपदाओं एवं उनके मिश्रित प्रभावों के प्रति संवेदनशील हैं। भारत की 80 फीसदी आबादी इन्हीं संवेदनशील इलाकों में रहती है। भारत पूर्व चेतावनी प्रणाली में निवेश करके अपनी तैयारी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अब भी काफी कमियां मौजूद हैं। चूंकि आपदाएं अकेले नहीं आतीं, इसलिए चुनौतियां बढ़ जाती हैं। अतः हमें नुकसान को कम करने के लिए जन-केंद्रित, बहु-आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली की आवश्यकता है। भारत में चक्रवातों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली बाढ़ की तुलना में बेहतर काम करती है। एक प्रमुख समस्या ऐसी चेतावनी प्रणालियों के लिए आवंटित धन का कम उपयोग है। सीईईडब्ल्यू का कहना है कि केवल छह भारतीय राज्यों ने बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणालियों के लिए आवंटित धन का मामूली उपयोग किया है। पूर्व चेतावनी प्रणालियां पहले से कहीं अधिक लोगों की जान बचा रही हैं, लेकिन यह भी सच है कि खतरनाक क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि और जल-मौसम संबंधी आपदाओं की बढ़ती तीव्रता और आवृत्ति के कारण अधिक लोग आपदाओं की चपेट में हैं। जलवायु परिवर्तन के समय में हमें बार-बार ऐसी आपदाओं का सामना करना पड़ेगा।

पत्रलेखा चटर्जी

मिला जुला

'ज्ञानवापी को मस्जिद कहना ही गलत'

वहां त्रिशूल, मूर्तियां क्यों हैं- योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानवापी और काशी विश्वनाथ मंदिर विवाद को लेकर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि यदि हम ज्ञानवापी को मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा। मुझे लगता है कि भगवान ने जिसको दृष्टि दी है, वह देखे ना। त्रिशूल आखिर मस्जिद के अंदर क्या कर रहा है। हमने तो नहीं रखे हैं ना, ज्योतिर्लिंग हैं और देव प्रतिमाएं हैं। ज्ञानवापी की दीवारें चिल्ला-चिल्लाकर क्या कह रही हैं। मुझे लगता है कि यह प्रस्ताव मुस्लिम समाज की ओर से आना चाहिए कि ऐतिहासिक गलती हुई है और उसका समाधान होना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैं बीते सवा छह साल से उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं। इस दौरान प्रदेश में एक भी दंगा तो नहीं हुआ। बड़ी-बड़ी बातें करने वाले देखें तो कैसे चुनाव होते हैं। यूपी का नगर निगम चुनाव, पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव देखें। फिर एक बार बंगाल के चुनाव पर नजर डाल लें। वहां क्या हाल हुआ है। ये लोग देश को ही पश्चिम बंगाल बनाना चाहते हैं। कुछ लोग सत्ता में आकर व्यवस्था पर कब्जा कर लेना चाहते हैं।

पश्चिम बंगाल में कैसे विरोधी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को मारा गया। इस पर कोई कुछ नहीं बोलता। यहां तक कि 1990 में जब कश्मीरी पंडितों की हत्याएं हुईं, तब भी ये लोग चुप थे। योगी आदित्यनाथ ने एएनआई से बातचीत में ज्ञानवापी विवाद को लेकर भी तीखी टिप्पणी की। दरअसल ज्ञानवापी के सर्वे को लेकर फिलहाल इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है। अभी सर्वे पर रोक है और 3 अगस्त को इस पर फैसला आना है। बता दें कि ज्ञानवापी के एक हिस्से को प्रशासन ने सील कर रखा है, जहां शिवलिंग पाया गया था।

भारत ने दुनिया को सिखाया रॉकेट का मलबा हटाना

श्रीहरिकोटा। पीएसएलवी के मिशन निदेशक एसआर बीजू ने कहा, पीएसएलवी मिशन के चौथे चरण के दौरान कोई ना कोई अतिरिक्त परीक्षण करने की वैज्ञानिकों को आदत हो चली है। इस बार भी चौथे चरण के साथ अनूठा और सफल परीक्षण अंजाम दिया गया। भारतीय वैज्ञानिकों ने पीएसएलवी सी-56 रॉकेट के ताजा प्रक्षेपण की सफलता के बाद अनूठा परीक्षण करते हुए पूरी दुनिया को सिखाया कि अंतरिक्ष में बड़ी समस्या बन रहे रॉकेट के मलबे को घटा सकते हैं। इस रॉकेट के जरिये सिंगापुर के उपग्रहों को अंतरिक्ष में करीब 535 किलोमीटर ऊंचाई पर सफलता से स्थापित तो किया ही गया, काम पूरा हो जाने के बाद रॉकेट के बचे हुए हिस्से को वापस पृथ्वी की ओर 300 किमी ऊंची कक्षा में लाया गया। अब यह अगले दो महीने में पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश करके नष्ट हो जाएगा।

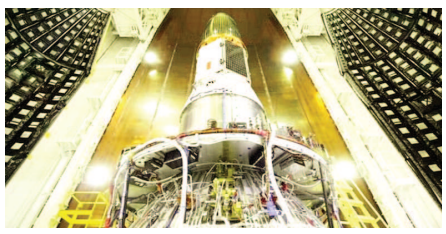

जयपुर-मुंबई ट्रेन में पालघर के पास फायरिंग

चलती ट्रेन में गोलीबारी, आरपीएफ के एएसआई और 3 यात्रियों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर से बड़ी खबर आ रही है. जयपुर-मुंबई पैसेंजर ट्रेन में हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई है. यह ट्रेन गुजरात से मुंबई आ रही थी. मरने वालों में एक आरपीएफ का एएसआई सहित 3 यात्री शामिल हैं. आरपीएफ के कॉन्स्टेबल चेतन ने पहले एएसआई को गोली मारी और फिर अन्य तीन यात्रियों पर फायरिंग कर दी. गोलीबारी की यह घटना वापी से बोरीवलीमीरा रोड स्टेशन के बीच हुई. मीरा रोड बोरीवली के बीच जीआरपी मुम्बई के जवानों ने आरोपी कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार कर लिया और उसके बाद आरोपी को बोरीवली पुलिस स्टेशन में लाया गया. दोनों ही आरपीएफ कर्मी ऑन ड्यूटी पर थे और ऑफिशियल काम से मुंबई आ रहे थे. आरोपी जवान ने अपनी सर्विस गन से फायरिंग की.

जब जवान ने अचानक शुरू कर दी फायरिंग

घटना जयपुर एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12956) के कोच नंबर बी 5 में हुई है. यह घटना आज सुबह 5.23 बजे घटी. आरपीएफ का जवान और एएसआई दोनों ट्रेन में सफर कर रहे थे. इसी दौरान कांस्टेबल चेतन ने एएसआई टीकाराम पर अचानक गोली चला दी, जिससे सफर कर रहे यात्रियों में हडकंप मच गया. डीसीपी वेस्टर्न रेलवे, मुंबई के संदीप वी. ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी. लेकिन सवाल उठ रहा है कि अगर उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी तो फिर उसे ड्यूटी पर क्यों तैनात किया गया था?

सरकार के फैसले के बाद गैर-बासमती चावल के गिरे दाम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से गैर-बासमती चावल के निर्यात पर लगाई गई रोक से कारोबारियों की मुसीबत बढ़ गई है। आलम यह है कि विदेश में चावल सप्लाई करने वाले कारोबारियों की पेमेंट रुक गई है। दिल्ली में सप्लाई ज्यादा होने पर गैर-बासमती चावल के दाम भी गिर गए हैं। हालांकि, कारोबारियों का दावा है कि आने वाले दिनों में फिर से गैर-बासमती चावल के दाम बढ़ सकते हैं। दिल्ली ग्रेन मर्चेंट असोसिएशन के सेक्रेटरी सचिन शर्मा ने बताया कि देश में कुल पैदावार का 40 प्रतिशत गैर-बासमती चावल विदेशों में निर्यात होता है।

मेवात में दो गुटों के बीच पथराव और फायरिंग

नई दिल्ली। हरियाणा के मेवात में भगवा यात्रा के दौरान दो गुटों में टकराव की खबर आ रही है. भगवा यात्रा के दौरान अचानक से हुई पत्थरबाजी में कई लोगों के घायल होने की खबर है. मौके पर पुलिस प्रशासन भी मौजूद है लेकिन उसके बावजूद भी पथराव हुआ है.दोनों तरफ से यहां हजारों लोगों का हुजूम है लेकिन मौके पर दो ही पुलिस की वैन मौजूद हैं. मौके पर बजरंग दल के वर्कर भी मौजूद हैं. मौके पर कई फायरिंग की भी आवाज सुनी गई है. यहां पर और अधिक संख्या में पुलिस फोर्स भेजी जा रही है. फिलहाल यह पता नहीं चल सका है।

सीएम नीतीश ने क्यों की जेडीयू नेताओं संग बैठक

पटना। एक तरफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कांग्रेस-आरजेडी और वाम दल अलग-अलग वजहों से नाराज हैं। इन सबके बीच सीएम नीतीश अलग ही प्लानिंग में लगे हैं। नीतीश कुमार पूर्व विधायकों के साथ बैठक कर रहे हैं। इतना ही नहीं अगली बैठक पूर्व पार्षदों के साथ होनी है। रविवार को नीतीश कुमार ने तमाम पूर्व विधायकों के साथ मुलाकात की। इसमें उन्होंने इलाके का हाल जाना और ये समझने की कोशिश की कि आखिर इलाके में जेडीयू की क्या स्थिति है। ये पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ जब ऑफर बीजेपी की तरफ से भी भेजा गया हो। नीतीश कुमार के नए दांव से सवाल उठना लाजमी है। ऐसा इसलिए क्योंकि मुख्यमंत्री कब क्या करेंगे उनके बगल वाले भी नहीं जानते।

कांग्रेस क्यों है नाराज?

एक तरफ कांग्रेस मंत्रिमंडल विस्तार ना होने की वजह से नाराज है। यह नाराजगी कांग्रेस के विधायक दल के नेता शकील अहमद ने दर्ज करा दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पिछले 8 महीने से मंत्रिमंडल विस्तार की बात कह रहे। यह भी कह रहे कि मंत्रिमंडल विस्तार में कोई परेशानी नहीं है। बार-बार यह भी दोहरा रहे कि जब चाहेंगे तब मंत्रिमंडल विस्तार हो जाएगा। लेकिन जब कोई परेशानी नहीं है तो भी 8 महीने से मंत्रिमंडल के विस्तार का पेंच फंसा क्यों है? ये एक बड़ा सवाल है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच को तैयार केंद्र

मणिपुर वायरल वीडियो मामले में दोनों पीड़ित महिलाएं भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं

नई दिल्ली। मणिपुर वायरल वीडियो मामले में दोनों पीड़ित महिलाएं भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं. सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही है. मणिपुर की दो पीड़ित महिलाओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल का कहना है कि महिलाएं मामले की सीबीआई जांच और मामले को असम स्थानांतरित करने के खिलाफ हैं. वहीं, सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का कहना है कि हमने कभी भी मुकदमे को असम स्थानांतरित करने का अनुरोध नहीं किया है.

कांग्रेस निर्णय ले अन्यथा जनता कर लेगी चक्रधर समारोह का आयोजन-उमेश अग्रवाल

चक्रधर समारोह से रायगढ़ को मिली सांस्कृतिक पहचान को मिटाने का षड़यंत्र

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

चक्रधर समारोह के जरिए रायगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर कला व संस्कृति नगरी के रूप में मिली पहचान को मिटाने का षडयंत्र करने का आरोप कांग्रेस पर लगाते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने गहन आक्रोश व्यक्त किया है । उन्होंने कहा कांग्रेस चक्रधर समारोह का आयोजन कराए जाने को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करे अन्यथा यह आयोजन जन सहयोग से किया जायेगा। कला संस्कृति की विरासत वाली नगरी रायगढ़ की पहचान मिटाने के लिए जनता विधायक प्रकाश नायक को कभी माफ नहीं करेगी। रायगढ़ के कलाकारों की आत्मा चक्रधर समारोह में बसती है। राजा भूपदेव सिंह के द्वितीय पुत्र गोंड़वंश के आदिवासी राजा चक्रधर सिंह का जन्म भाद्र पद संवत 1862 को हुआ। उनके जन्मदिवस को राजकीय समारोह के रूप में मनाने के लिए ऐतिहासिक गणेश मेला का आयोजन किया जाता है जो रायगढ़ के सांस्कृतिक गौरव के रूप में पूरे देश मे प्रसिद्ध हुआ जिसमे देश के शीर्षस्थ प्रतिष्ठित कला,संगीत एवं साहित्य साधको और क्रीड़ा जगत की प्रख्यात प्रतिभाओं को आमंत्रित कर सम्मानित किया जाता था। महाराजा चक्रधर सिंह ऐसे ही विशिष्ट सांगीतिक व्यक्तित्व के धनी और कला पारखी नरेश थे। जिला भाजपा अध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने कहा गणेश मेला एवम चक्रधर समारोह के जरिए ही रायगढ़ की कला एवं संस्कृति को पर्याप्त संरक्षण हासिल हो पाया। इसकी वजह से रायगढ़ को सांस्कृतिक राजधानी और कला की तीर्थस्थली के रूप में पूरे राष्ट्र में प्रसिद्धि प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ। रायगढ़ दरबार संगीत के उद्धारक प. विष्णु दिगंबर पलुस्कर, प.ओंकार नाथ ठाकुर, प. भूषण संगीताचार्य, बड़े रामदास, उस्ताद इनायत खां, कादर बक्श, मुनीर खां,कंठे महाराज, प.बिंदादीन, सीता राम, हनुमान प्रसाद, सुखदेव महाराज, सुंदर प्रसाद,जयलाल,लच्छु जैसे प्रख्यात साधको की रायगढ़ तपोभूमि रही है। महाराजा चक्रधर सिंह ने देश के शीर्षर्थ नृत्याचार्यो से प.कार्तिकराम, कल्याण दास महंत, बर्मनलाल एवं फिरतु महाराज को कत्थक की शिक्षा दिलाई जिन्होंने राष्ट्रीय ख्याति अर्जित की । मध्यप्रदेश शासन के इस आयोजन के मंच में शिरकत करने वाले पंडित कार्तिकराम, कल्याण दास, फिरतु महाराज एवं बर्मनलाल को शिखर सम्मान से सम्मानित किया। संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह ने कत्थक की एक अभिनव शास्त्रीय शैली विकसित की जो रायगढ़ कत्थक घराना के रूप में प्रसिद्ध है। महाराजा चक्रधर सिंह के देहांत के बाद उनके पुत्र राजा ललित सिंह, कुमार सुरेंद्र प्रताप सिंह, और कुमार भानुप्रताप सिंह के द्वारा कई वर्षों से इस परंपरा का निर्वहन किया गया । 1984 में सर्वोदयी नेता केयूर भूषण की अध्यक्षता में राजपरिवार के सदस्यों, साहित्यकारो एवं संगीतकारो की एक सभा हुई। प. मुकुटधर पांडेय,प.किशोरी मोहन त्रिपाठी, लाल फू लचन्द्र श्रीवास्तव, जगदीश मेहर, डॉ. बलदेव,मनहर सिंह ठाकुर वेदमणि सिंह ठाकुर, रजनी कांत मेहता, राजपरिवार के पूर्व सांसद सुरेंद्र कुमार सिंह, कुमार भानु प्रताप सिंह, उर्वशी देवी एवं देवेंद्र प्रताप सिंह, सदस्य, इनके संरक्षक हुए। राजनीति से परे वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, संगीतकार एवं प्रबुद्ध नागरिकों की इस आयोजन में हिस्सेदारी बढ़ती गई। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध संत कवि पवन दीवान द्वारा राज महल के परिसर में गणेश पूजा के दिन 18 सितंबर 1985 को चक्रधर समारोह का गणेश किया गया। दशकों से होने वाले इस आयोजन की वजह से ही रायगढ़ जिले को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल पाई है। पण् मुकुटधर पांडेय ने इसे रायगढ़ के सांस्कृतिक जीवन मे महत्वपूर्ण मानते हुए सार्वजनिक रूप से मनाए जाने वाला गणेश उत्सव निरूपित किया। महल का गणेश उत्सव राजकीय था। यह एक प्रकार से नए युग की शुरुवात थी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चक्रधर समारोह 2001 से शुरू किया गया था। शासन ने इस परंपरा को आगे समृद्ध करते हुए 10 दिवसीय समारोह को शासकीय मान्यता प्रदान कर संस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया और रायगढ़ को पुन: कला एवं संगीत की तीर्थस्थली के रूप में विकसित करते हुए गौरवान्वित किया। संस्कृतिक विभाग, छत्तीसगढ़ शासन,जिला प्रशासन एवं जन सहयोग से रायगढ़ का ऐतिहासिक राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव गणेश मेला चक्रधर समारोह का यह गौरवपूर्ण आयोजन आज भी दूर-दूर तक चर्चित है। कोरोना महामारी के दौरान भी चक्रधर समारोह आयोजन को ऑन लाइन किया गया लेकिन इसकी परंपरा जारी रही। विडम्बना है कि कांग्रेस अब इस आयोजन को लेकर बहानेबाजी कर किसी तरह इस आयोजन को बंद कर कला संस्कृति की पहचान मिटाने पर अमादा है। उमेश अग्रवाल ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा चक्रधर समारोह आयोजन को लेकर बहाने बाजी बंद होनी चाहिए। इस बड़े आयोजन को लेकर कांग्रेस ओछी राजनीति कर रायगढ़ सांस्कृतिक पहचान मिटाने की कुत्सिक भावना लिए हुए आयोजन के प्रति पर्याप्त उदासीनता ओढ़ ली है। जनभावना को ध्यान में रखते हुए आयोजन को लेकर समय रहते सजग नहीं हुई तो उसे ना केवल व्यापक जनाक्रोश का सामना करना पड़ेगा वरन इसके भयंकर दुष्परिणाम भोगने होंगे। भाजपाध्यक्ष ने आगाह किया है रायगढ़ की जनता अपने प्रजापालक राजा की याद को हरगिज विस्मृत नही होने देगी और छत्तीसगढ़ शासन तथा कांग्रेस की कलुषित विचारधारा के चलते कार्यक्रम परवान नही चढ़ा तो अपने बलबूते वह इस आयोजन का बीड़ा उठा लेगी जो कालांतर में कांग्रेस के मुंह में एक करारा तमाचा सिद्ध होगा।

सर्वे पूर्ण कर टीकाकरण हेतु बनाये कार्ययोजना-सीईओ जिला पंचायत

तीन चरणों में चलेगा टीकाकरण अभियान

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा निर्देशन में आज सीईओ जिला पंचायत जितेन्दर यादव ने सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान 0.5 के सफल क्रियान्वयन एवं सुपरविजन तथा मॉनिटरिंग के लिए जिला टॉस्क फोर्स समिति की बैठक ली। सीईओ यादव द्वारा अभियान के संबंध में जानकारी लेने पर जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि अभियान का मूल उद्देश्य 0 से 5 वर्ष के छुटे हुए बच्चों को टीकाकृत किया जाना है।

सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान के संबंध में जिला टास्क फोर्स समिति की हुई बैठक

भारत सरकार के निर्देशानुसार राज्य में नियमित टीकाकरण अभियान सुदृढ़ीकरण एवं मिजल्स एवं रूबेला वैक्सीन की डोज से छूटे हुए 5 वर्ष तक के बच्चों को टीकाकृत किए जाने हेतु सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान 0.5 आयोजित किया जाएगा, जो तीन चरण में चलेगा। अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण 7 से 12 अगस्त, द्वितीय चरण 11 से 16 सितम्बर एवं तृतीय चरण 9 से 14 अक्टूबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सघन मिशन इंद्रधनुष के यू-विन पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिला के नाम का रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। जिससे 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण कार्ड जनरेट होगा।

जिसमें उनके समस्त छूटे टीकाकरण व आने वाले टीकाकरण के बारे में जानकारी मिलेगी। साथ ही पूर्व छूटे हुए टीकाकरण बच्चे को टीकाकृत करने में सहायता प्राप्त होगी। सीईओ यादव ने सभी बीएमओ को इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के साथ गर्भवती महिलाओं का हेड काउन्ट सर्वे पूर्ण कर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। ताकि छूटे हुए लाभार्थियों को चिन्हांकित कर टीकाकृत किया जा सके। उन्होंने मितानिन एवं एएनएम के माध्यम से घर-घर सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए माइक्रो प्लानिंग, फील्ड कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के साथ ही समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे बेहतर परिणाम मिल सके।

बैठक में सीएमएचओ डॉ. मधुलिका सिंह ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास टी.के.जाटवर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.बी.पी.पटेल, सिविल सर्जन डॉ.आर.एन.मंडावी, डॉ.नीरज कुमार मिश्रा, शिक्षा विभाग से आलोक स्वर्णकार, शिवेन्द्र सिंह सहित बीएमओ अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के 2553 युवाओं को साढ़े 63 लाख से अधिक की राशि हुई अंतरित

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

बेरोजगारी भत्ता योजनाः मुख्यमंत्री ने की चौथी किश्त के रूप में 31.71 करोड़ रुपए से अधिक राशि 1.22 लाख हितग्राहियों के खाते में की अंतरित

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय में बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत चौथी किश्त के रूप में प्रदेश के 1 लाख 22 हजार 625 हितग्राहियों को 31 करोड़ 71 लाख रूपए की राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की। बेरोजगारी भत्ता की अप्रैल, मई, जून और जुलाई माह की चार किश्तों को मिलाकर हितग्राहियों के खाते में अब तक 112 करोड़ 43 लाख 30 हजार रूपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है। आज अंतरित की गई राशि में अप्रैल माह के शेष 147 लाभार्थियों को चार माह तथा मई माह के शेष 373 लाभार्थियों को तीन माह का और जून माह के शेष 3028 लाभार्थियों को दो माह का बेरोजगारी भत्ता जारी किया गया। बेरोजगारी भत्ता योजना के राशि अंतरण कार्यक्रम में रायगढ़ जिले से कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत जितेन्दर यादव एवं बेरोजगारी भत्ता प्राप्त हितग्राही भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। जिला रोजगार अधिकारी रामजीत राम ने बताया कि रायगढ़ जिले के 2 हजार 553 युवाओं को बेरोजगारी भत्ता के चौथी किश्त के रूप में 63 लाख 82 हजार 500 रुपये उनके खाते में अंतरित किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यह खुशी की बात है कि प्रदेश में युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है और लगातार युवाओं को नौकरियां भी मिल रही है। आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं। उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। जैसे-जैसे युवा प्रशिक्षित होंगे, उन्हें कौशल अनुरूप रोजगार से जोड़ने का कार्य भी चलता रहेगा। मुख्यमंत्री बेरोजगारी भत्ता की चौथी किश्त के ऑनलाईन अंतरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 36 आईटीआई के आधुनिकरण के लिए 1188.36 करोड़ परियोजना के लिए एमओयू भी किया गया है। जिससे युवाओं को 06 नवीन तकनीकी ट्रेड के साथ ही 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे लगभग प्रति वर्ष 10 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन युवाओं को विभिन्न उद्योगों में नियोजित कराया जाएगा। युवाओं को अपनी तरक्की के राह में आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसलिए हमने बेरोजगारी भत्ता देने और पीएससी व व्यापम की प्रतियोगी परीक्षाओं में शुल्क माफ कर उन्हें बड़ी राहत देने का काम किया है।

शासन की योजनाओं से प्रदेश के सभी वर्ग हो रहे हैं लाभान्वित

राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी वर्गों के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर उन्हें लाभान्वित कर रही है।

शासन की न्याय योजनाओं का दायरा बढ़ने से प्रदेश के किसान, पशुपालक, भूमिहीन मजदूर, महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से अब तक 20 हजार 102 करोड़ रूपए की इनपुट सब्सिडी हितग्राहियों अंतरित की जा चुकी है। इसी तरह गोधन न्याय योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश के गोबर विक्रेताओं को 251.08 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। गौठान समूह और महिला स्व-सहायता समूह को अब तक 257.29 करोड़ रूपए का लाभांश का भुगतान किया गया है। राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के माध्यम से प्रदेश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के भूमिहीन मजदूरों 589 करोड़ 39 लाख रूपए का भुगतान किया गया है।

कलमा बैराज में सेल्फी लेना, नहाना और मछली पकड़ना हो सकता है जानलेवा

जोहार छत्तीसगढ़-सारंगढ़ बिलाईगढ़।

सेल्फी और नहाने से हो रही घटनाओं के मद्देनजर जल संसाधन विभाग ने आम जनता को सूचित किया है कि जिले में महानदी पर निर्मित कलमा बैराज के सभी गेट 15 अक्टूबर 2023 तक खुले रहेंगे, जिससे बाढ़ में बैराज के नीचे महानदी में जल बहाव की मात्रा अत्यधिक बढ़ सकती है। बैराज के ऊपर और नीचे महानदी में मछली पकड़ना, फसल लगाना, सेल्फी लेना एवं नहाना सख्त मना है। यदि सर्वसाधारण या अन्य किसी के द्वारा सूचना का पालन नहीं किया जाता है तो ऐसी स्थिति में होने वाली जनधन की हानि होने पर जल संसाधन विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

गर्भवती और कुपोषित बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र की पोषण वाटिका से ही मिलेगा पोषक आहार

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में महिला एवं बाल विकास विभाग की मदद से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं ने गापोषण वाटिका तैयार की है। इससे अब उन्हें ताजी हरी-भरी और पोषक से भरपूर सब्जियां उपलब्ध होंगी। पोषण वाटिका से गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चो की सेहत में सुधार आयेगा। पोषण अभियान अंतर्गत महिला एवं बाल विकास परियोजना के अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों के मार्गदर्शन में पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया गया है। इसी कड़ी में परियोजना बागबहार, सेक्टर-जमझोर, आंगनबाड़ी केंद्र बनगोड़ा में कार्यकर्ता यशोदा चौहान, सहायिका जानकी बाई ने बरबट्टी, भिंडी, करेला, मूली पोषण वाटिका में हरी सब्जी और भाजी का उत्पादन किया जा रहा है और उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित कर बच्चों और गर्भवती माताओं को लाभान्वित किया जायेगा। पोषण वाटिका बनाने का उद्देश्य बच्चों और गर्भवती माताओं में एनीमिया और कुपोषण को दूर करना है जिससे कुपोषण मुक्त एवं स्वास्थ्य छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार किया जा सके, साथ ही समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बना उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ किया जा सके।

स्कूल और कॉलेज में हुआ मतदान नारा लेखन प्रतियोगिता

जोहार छत्तीसगढ़-सारंगढ़ बिलाईगढ़।

जिला प्रशासन के मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शासकीय लोचन प्रसाद पांडेय महाविद्यालय सारंगढ़ और बरमकेला विकासखंड के हायर सेकेण्डरी स्कूल बोईरडीह में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित किया गया। सभी छात्र-छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी लेने अपर मुख्य सचिव पहुंचे गौठान

पगडंडियों से चलकर नरवा के तहत हुए कार्यो का किया अवलोकन,जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका-सुब्रत साहू

जोहार छत्तीसगढ़-बलौदाबाजार।

गुड़ेलिया में संचालित रिपा से जुड़कर कार्य करने वाले नारी संगठन के कामकाज की प्रशंसा, बताया राज्य के लिए रोल मॉडल

बलौदाबाजार भाटापारा जिले में फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी लेने अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू आज एक दिवसीय दौरे में रहे। इस दौरान उन्होंने भाटापारा विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम गुड़ेलिया के गौठान में संचालित ग्रामीण औद्योगिक पार्क, स्कूल भवन,पंचायत भवन का निरीक्षण, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मुलाकात, स्वच्छ भारत मिशन, ईवीएम डेमोस्ट्रेशन के कार्यों सहित ग्राम देवरी में अमृत सरोवर एवं सिमगा विकासखण्ड के ग्राम पोसरी में जल जीवन मिशन एवं प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के कार्यों का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त ग्राम दुलदुला में नरेगा के अंतर्गत नरवा के कार्यों का अवलोकन किया। भाटापारा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत गुडेलिया गोठान में संचालित गतिविधियों का अवलोकन करते हुए स्व सहायता समूह की महिलाओं से गोठान में संचालित गतिविधियों से जुड़कर जीवन मे आए सकारात्मक बदलाव के सम्बंध में जानकारी हासिल की। महिलाओं ने बताया कि गोठान व रीपा से जुड़कर उनकी आर्थिक स्थित में काफी सुधार आया है। परिवार के सदस्य भी उनकी सहायता करते है। गुड़ेलिया गोठान में रीपा अंतर्गत पावर ब्लॉक निर्माण, फ्लाई ऐश निर्माण, खिला निर्माण, चौन लिंक फेंसिंग निर्माण, मसाला उत्पादन इकाई स्थापित किया गया है। अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने नारी संगठन के कामकाज की प्रशंसा करते हुए पूरे राज्य के लिए रोल मॉडल बताया। इसके पश्चात अपर मुख्य सचिव ने शास. प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला में पहुंचकर शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होनें बच्चों से बातचीत कर शिक्षा एवं मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का परखा। इस दौरान उन्होनें व्यवस्थित ग्राम पंचायत भवन का अवलोकन किया एवं भवन की तारीफ भी किया। इस मौके परइस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव आर प्रसन्ना,मनरेगा आयुक्त रजत बंसल, कलेक्टर चंदन कुमार जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन, सहायक कलेक्टर नम्रता चौबे प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अपर मुख्य सचिव ने ग्राम गुड़ेलिया एवं पौंसरी के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से लाभान्वित हितग्राहियों के घर पहुंचकर निर्मित मकान का अवलोकन किया। इस दौरान मकान मालिक एवं उनके परिवार के सदस्यों ने पक्की मकान बनने से जीवन में हुए बदलाव के बारे में अपने विचार साझा किए। इसके साथ ही ग्राम पौंसरी में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी प्रकट किया। इसके साथ ही पाइप बिछाने के लिए सीसी रोड के बीचो-बीच गड्ढा करने पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार के महत्वपूर्ण निर्देश अधिकारियों को दिए है।

अमृत सरोवर तट में किया वृक्षारोपण,पूर्व सैनिक भी रहे उपस्थित

अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने ग्राम देवरी में नवनिर्मित अमृत सरोवर तट के नजदीक आम वृक्ष का रोपण किया। इस दौरान भूतपूर्व सैनिक धीरेंद्र कमरा वर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने मनरेगा के तहत अमृत सरोवर के हुए कार्यो पर सतुष्टि जताते हुए प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उक्त तालाब में बहुत अच्छे तरीके से मछली पालन सहित अन्य रोजगार मुलक कार्य किए जा सकतें है। साहू ने इसके लिए उपस्थित प्रगति टू एवं जागृति महिला स्व सहायता समूह के सदस्यो से चर्चा कर जायजा लिया। साथ ही मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव आर प्रसन्ना, समग्र शिक्षा महा प्रबंधक इफ्फत आरा, मनरेगा आयुक्त रजत बंसल,कलेक्टर चंदन कुमार जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी वृक्षारोपण किया।

स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैम्पियनशीप का उद्घाटन सत्र

खेल तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता , खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन सदैव रहेगा तत्पर

जोहार छत्तीसगढ़-शमरोज।

सूरजपुर जिला बैडमिंटन संघ के तत्वाधान में 22 मई योनेक्स सनराइज स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के उद्घाटन सत्र में पहुंचे कलेक्टर संजय अग्रवाल ने खिलाड़ियों व शहरवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से तन और मन दोनों स्वस्थ होता है।

आने वाले समय में अपने क्षेत्र के भी बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में जिले व प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्हें बेहतर खेल प्रशिक्षण मिले। कलेक्टर अग्रवाल ने जिले में खेल की संभावनाओं को लेकर भी जिला प्रशासन से हर संभव सहयोग बात कहते हुए कहा की क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन सदैव तत्पर रहेगा। इस दौरान उद्घाटन सत्र में नगर पालिका के अध्यक्ष के के अग्रवाल, बैडमिंटन के राष्ट्रीय कोच संजय मिश्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय भंसाली, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के रीजनल मैनेजर नितिन चौधरी, पीआर लए ग्रुप के डायरेक्टर राहुल अग्रवाल, अग्रवाल सभा सूरजपुर के अध्यक्ष अमृतलाल अग्रवाल, मुख्य रेफ री प्रताप भट्टाचार्य, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अश्वनी सिंहए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय डोसी, एल्डरमैन मनोज डालमिया, पार्षद संजु आनंद सोनी के साथ सूरजपुर के गौरव अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्रेयांश जायसवाल सहित गणमान्य जन उपस्थित थे। जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल गोयल, सचिव संदीप अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष बांके बिहारी अग्रवाल सहित संघ के सदस्यों ने सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। इस दौरान नपा अध्यक्ष के के अग्रवाल ने नगर में स्टेट लेवल चैंपियनशिप के लिए आयोजकों को बधाई दी और बताया की सूरजपुर में वर्ष 1973 से बैडमिंटन की शुरुआत हुई थी। उन्होंने तब से लेकर उन्होंने अब तक के बैडमिंटन खेल को लेकर अतीत से वर्तमान तक का विहंगावलोकन भी सभी के समक्ष रखा। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कोच संजय मिश्रा ने जिले में बेहतर खेल संभावनाओं को देखते हुए कहा कि बैडमिंटन के लिए अब जिले में पर्याप्त संसाधन हैं और जिला बैडमिंटन संघ जिला प्रशासन के साथ मिलकर क्षेत्र के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए अवसर प्रदान करें। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया की उनसे जो भी सहयोग बैडमिंटन संघ व जिला प्रशासन को चाहिए उसके लिए वे संकल्पित हैं। इसके पूर्व जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल गोयल ने स्वागत उद्बोधन के साथ संघ का वृत्त प्रस्तुत किया और बताया कि वर्ष 2016 फिर 2019 के बाद अब 2023 में तीसरी बार राज्य स्तरीय टूर्नामेंट जिला बैडमिंटन संघ संपन्न करा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी समस्त अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए संघ के सचिव संदीप अग्रवाल ने सभी मंचासीन अतिथियों खिलाड़ियों व गणमान्य जनों का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि सीनियर चैम्पियनशीप के लिए सूरजपुर जिले का चयन किया गया था। उक्त प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश से लगभग 200 से उपर पुरूष व महिला बैडमिंटन खिलाड़ी सुरजपुर पहुंचे है। 29 व 30 जुलाई को क्वालीफाइंग व ट्रायल मैच के उपरांत 31 जुलाई से 1 व 2 अगस्त तक मेन.ड्रा के मैच शुरू हुए है। प्रतियोगिता में रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, बालौद, बलौदाबाजार, जांजगीर.चांपा, धमतरी, दुर्ग, कबीरधाम, कोरिया, सरगुजा, सूरजपुर, सारंगढ़, भिलाई, मनेन्द्रगढ़, जशपुर, महासमुंद सहित अन्य जिलों के खिलाड़ी चैम्पियनशीप में भाग लेने सूरजपुर पहुंचे हैं। रैफ्री गुरदीप सिंह के साथ नरेन्द्र पटेल, दिव्यानी सिया, रोहित दिवेकर, घनश्याम सोनी व आदित्य भट्टाचार्य की टीम ने बैडमिंटन संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में मैचे का संपादन करा रहे है। आयोजन में सुनील अग्रवाल, प्रमोद तायल, रितेश अग्रवाल, सोमेश सिंह लांबा, नीलकर्ण राजवाड़े, हरेन्द्र सिंह, अखिलेश सिंह, सनी अग्रवाल, प्रसून गोयल, एससी मुखर्जी, विजय हथगेन, यश अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल, प्रसिद्ध गोस्वामी, फि रदौस रजा, अनुज गुप्ता, संजीत सिंह, सुमित मित्तल, उमेश गुप्ता, रूपेश भगत, नीरज निगम, मुन्ना जिंदिया,रूपेश भगत सहित बैडमिंटन संघ टीम सक्रिय है।

एक नजर

मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 2 अगस्त को

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2023 के संबंध में निर्देश दिये गये हैं। जिसके तहत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम 02 अगस्त 2023 बुधवार को किया जाएगा। आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रपत्र-5 में नोटिस जारी करेगा एवं केवल अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2023 के संदर्भ में दावा/आपत्तियां प्राप्त करेंगे। इस पुनरीक्षण अवधि के दौरान अगले वर्ष 2024 की तिमाही अर्हता तिथियों के लिये कोई अग्रिम आवेदन प्राप्त नही किया जाएगा। 02 अगस्त 2023 दिन बुधवार को विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत समस्त मतदान केन्द्रों एवं विहित स्थानों में फोटोयुक्त मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को निर्वाचक नामावली की एक फोटोयुक्त मतदाता सूची की एक-एक प्रति तथा फोटो रहित मतदाता सूची की साफ्ट कापी नि:शुल्क प्रदाय किया जाएगा। इसके साथ ही 02 अगस्त 2023 को ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्रामसभा का आयोजन कर मतदाता सूची का संबंधित बूथ लेबल अधिकारी द्वारा बूथ लेवल एवं ग्राम स्तर पर निर्वाचक नामावली के सभी भागों का वाचन किया जाएगा। नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर आने वाले सर्व संबंधित भागों की नामावली का वाचन संबंधित वार्ड /मतदान केन्द्रों पर किया जाएगा। विधानसभा स्तर पर हायर सेकेण्ड्री स्कूल/ महाविद्यालयों में विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर नवीन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने एवं पुनरीक्षण संबंधी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

अनियमितता पाए जाने पर तीन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को जारी किए गए नोटिस

किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक, कीटनाशी औषधि की उपलब्धता सुनिश्चित करने कृषि विभाग का निरीक्षण दल दे रहा सतत् दबिश

जोहार छत्तीसगढ़-सारंगढ़ बिलाईगढ़।

कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी के निर्देशानुसार जिले के किसानों को सुगमतापूर्वक एवं गुणवत्तायुक्त कृषि आदान बीज, उर्वरक, कीटनाशक औषधि की उपलब्धता सुनिश्चित करने जिला स्तरीय निरीक्षण दल गठन किया गया है। उप संचालक कृषि ने बताया कि निरीक्षण दल के द्वारा जिले में संचालित अनुज्ञप्ति धारी विक्रेताओं के अलग-अलग 5 प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में अनियमितता पाए जाने पर 3 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया है तथा तीन दिवस में जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देश किया गया है। बिलाईगढ़ में मेसर्स मनोज किराना के नाम से रासायनिक खाद एवं कीटनाशी का व्यापार किया जा रहा था। पीओएस एवं भौतिक स्टॉक में अंतर, समस्त प्रकार की पंजी, सही फॉर्मेट में संधारित नहीं होना, मूल्य स्टॉक सूची प्रदर्शित नहीं करना, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होना, कीटनाशी संबंधित कैश मेमो, स्टॉकबुक, प्रदर्शन बोर्ड आदि नहीं होना पाया गया। इसी तरह सारंगढ़ के ग्राम छिन्द में मेसर्स पटेल कृषि केंद्र में कीटनाशी व्यापार संबंधी आवश्यक दस्तावेज निरीक्षण के दौरान प्रस्तुत नहीं कर पाए, जिस कारण तीन दिवस में सभी दस्तावेज तैयार कर प्रस्तुत करने निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में उर्वरक निरीक्षक एवं निगरानी दल द्वारा सतत औचक निरीक्षण किया जा रहा है, अनियमितता पाये जाने पर एफसीओ 1985, कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं 1971 तथा बीज अधिनियम 1966 के तहत कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण दल में जिला निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुलेमान एक्का सहित कृषि विस्तार अधिकारी शामिल थे।

पैसे के लेन-देन को लेकर युवक को पीटा

रायपुर । ग्राम असौदा में पैसे के लेन-देन को लेकर एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खरोरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दिलीप कुर्रे 41 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी बालचंद्र चेलक ने पैसे के लेन-देन को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खरोरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

उधार पैसे के लेन-देन को लेकर युवक को पीटा

रायपुर। राहुल मील के पास नेवरा में उधार पैसे के लेन-देन को लेकर एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

जिले में आज होगा पौधारोपण महाअभियान

जोहार छत्तीसगढ़-सारंगढ़ बिलाईगढ़।

जिला प्रशासन ने मतदाता जागरूकता अभियान के तहत छत्तीसगढ़ी में सभी मतदाताओं को पुकार किया है कि आव एकठन पौधा लगाबो भुइयां के कर्ज चुकाबो। इसी सिलसिले में जिले के सभी सरकारी संस्थाओं आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, कॉलेजों कार्यालयों और ग्राम पंचायतों में 1 अगस्त 2023 को एक पेड़ एक वोट के तर्ज पर पौधारोपण महाअभियान किया जाएगा। इच्छुक लोग अपने नजदीकी वन और उद्यानिकी विभाग के नर्सरी से पौधे प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्ट्रेट सारंगढ़ में 2 अगस्त को होगी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक

जोहार छत्तीसगढ़-सारंगढ़ बिलाईगढ़।

मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन के संबंध में 2 अगस्त 2023 को शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट सारंगढ़ के सभाकक्ष में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई है। उल्लेखनीय है कि सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के 2 विधानसभा क्षेत्र, सारंगढ़ के 342 मतदान केंद्र एवं बिलाईगढ़ के 364 मतदान केंद्र के युक्तियुक्तकरण में 15 नये मतदान केंद्र, 2 मतदान केंद्रों के स्थल परिवर्तन, 25 मतदान केंद्रों का भवन परिवर्तन, 11 मतदान केंद्र पर भवन का नाम परिवर्तन, 6 मतदान केंद्रों के अनुभाग परिवर्तन एवं 1 अनुभाग के नाम परिवर्तन के अनुसार प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर को भेजे गए थे।

मौसम बदलते ही आंखों की बीमारी शुरू,सावधानी बरतने की सलाह

जोहार छत्तीसगढ़-सूरजपुर।

इन दिनों आंखों का संक्रमण कंजेक्टिवाइटिस बहुत तेजी से फैल रहा है इससे खुद को बचाने के लिए और लोगों को संक्रमित होने से बचाने के लिए सावधानी और सतर्क रहने की जरूरत है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.एस सिंह के निर्देशन व नोडल अधिकारी डॉक्टर तेरस कंवर के मार्गदशन में नेत्र सहायक अधिकारी अमित चौरसिया व मारुति नंदन चक्रधारी जी के द्वारा जिले में स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम नवापारा सूरजपुर व आरएचएस मॉडर्न स्कूल लांची में विशेष शिविर आयोजित कर सभी बच्चो का आई चेकअप किया गया। अभी काफ ी मात्रा में कंजेक्टिवाइटिस के मरीज इलाज कराने आ चुके हैं। स्कूल में बच्चों को जानकारी देते हुए, उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति कई लोगों को संक्रमित कर सकता है। इस वजह से संक्रमित होने वाले बच्चे, बड़े सभी को भीड़ भाड़ वाले इलाके में जाने से बचाना चाहिए। लक्षण दिखाई पड़ते ही तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

अपने आप को आइसोलेट करें। बच्चे जब तक पूरी तरह से ठीक न हो जाएं तब तक स्कूल न जाएं। संक्रमित बच्चे और बड़े सभी काला चश्मा का प्रयोग करें। इसके लक्षण और कारण कंजेक्टिवाइटिस आंखों का एक संक्रमण है। जिसे आमतौर पर इसे पिंक आई के नाम से भी जाना जाता है। यह वायरस जनित संक्रामक रोग है। प्रमुख रूप से आंखों का लाल होना, जलन खुजली और आंखों से लगातार आंसू निकलना, पीला स्त्राव बहना, पलके आपस में चिपक जाना, पलक में सूजन होना आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं।

41 वर्ष की सेवा पश्चात प्रधान पाठक सुनील सिंह हुए सेवानिवृत

कलेक्टर ने दी बधाई और उज्जवल भविष्य की कामना की

जोहार छत्तीसगढ़-सूरजपुर।

गंगापुर पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधानपाठक सुनील कुमार सिंह के सेवानिवृत होने पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, सुनिल कुमार सिंह 41 साल की सेवा के बाद आज सेवानिवृत हुए हैं। उन्होंने माध्यमिक शाला लहपटरा, लखनपुर, बिशुनपुर और अंबिकापुर के साथ दूसरे स्कूल में अपनी सेवाएं दी है। वर्ष 2009 में प्रधानपाठक के पद पर माध्यमिक शाला अनुजनगर में पदस्थ थे। वर्ष 2012 से संकुल प्रभारी अनुजनगर एवं वर्तमान में संकुल प्राचार्य गंगापुर सूरजपुर में सेवारत थे। सुनील कुमार सिंह को जिला स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके साथ ही उन्हें जिला स्तरीय अन्य पुरस्कारों से भी पूर्व में नवाजा गया था।

रतनपुर प्रेस क्लब कि सामान्य बैठक संपन्न,हिंदी दिवस पर होगी शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

रतनपुर प्रेस क्लब की बैठक आज रेस्ट हाउस में संपन्न हुई। जिसमें प्रेस क्लब के पदाधिकारी एवं सभी सदस्यों ने आगामी हिंदी दिवस पर वार्षिक सम्मेलन के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। जिसमे सर्व सम्मति से सभी सदस्यों ने मिलकर प्रेस क्लब का वार्षिक सम्मेलन करने पर अपनी सहमति दी रतनपुर प्रेस क्लब के सचिव वासित अली ने जानकारी देते हुए बताया कि रतनपुर प्रेस क्लब की सामान्य बैठक रेस्ट हाउस में रखी गई।

जिसमें सभी सदस्यों की मौजूदगी में पत्रकार हित को लेकर कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई, बैठक की शुरुआत अध्यक्ष संतोष सोनी चिट्टू ने की अध्यक्ष ने सभी पत्रकारों का कुशलक्षेम पूछते हुए सभी को बैठक में वार्षिक सम्मेलन हिंदी दिवस कार्यक्रम को सफ ल बनाने के लिए सुझाव

आमंत्रित किएए और सभी को अपनी अपनी बात रखने की बात कहीं, जिस पर चर्चा की गई जिसमें सभी ने अपने अपने विचारों को साझा किया। सभी के विचार मंथन से रतनपुर प्रेस क्लब के बैनर तले कार्यक्रम कराने का प्रस्ताव पारित किया गया बैठक में पत्रकारिता एवं पत्रकार हित के लिए बहुत सारी बातों पर चर्चा की गई सभी पत्रकारों ने एक स्वर में पत्रकार हित में मिलकर काम करने की बात पर सहमति जाहिर की, इस तरह से इस अहम बैठक में रतनपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष संतोष सोनी, सचिव वासित अली, संरक्षक उस्मान कुरैशी,संजय सोंनी,आशीष शर्मा,जुगनू तंबोली, फिरोज खान,कान्हा तिवारी, जितेंद्र साहू,उपाध्यक्ष,उमाशंकर साहू, सह सचिव राजू यादव,कोषाध्यक्ष.ताहिर अली एवं सदस्यगण जागेश्वर कुंभकार, सुधाकर तंबोली, गुरुदेव सोनी,विजय दानीकर,पवन मिरी,सुंदर दास परमेश्वर दास, महेश सूर्यवंशी, हरीश मांडवा,शेख वलीउल्लाह,विनोद साहू,रविंद्र गढेवाल और प्रेस क्लब के सभी सदस्य मौजूद रहे।

बेरोजगारी भत्ता योजनांतर्गत

जिले के 2 हजार 680 हितग्राहियों के खाते में भी 67 लाख रुपए हुई अंतरित

जोहार छत्तीसगढ़-सूरजपुर।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय रायपुर से आज वर्चुअली कार्यक्रम के माध्यम से बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 1 लाख 22 हजार 625 हितग्राहियों के खाते में चौथी किष्त के रूप में 31 करोड़ 71 लाख रूपए की राशि का आंतरण किया। इसके साथ ही सूरजपुर जिले के 2 हजार 680 हितग्राहियों के खाते में भी 67 लाख रुपए अंतरित हुई। बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत प्रदेश में अब तक 112 करोड़ 43 लाख 30 हजार रूपए हितग्राहियों के खाते में अंतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री बघेल ने रायपुर के कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं के साथ ही विभिन्न जिलों के लाभार्थी युवक.युवतियों से चर्चा कर उनकी प्रतिक्रिया ली। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश के भविष्य है। युवा मजबूत होंगे तो छत्तीसगढ़ मजबूत होगा। बेरोजगारी भत्ता एक छोटा सा सहयोग है। इसके माध्यम से वे आगे की शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर सकते है। इस योजना का लाभ शहरी लोगों के साथ ही अधिक संख्या में ग्रामीणों को भी मिल रहा है। कलेक्ट्रेट के वीडियो कांफ्रेंस कक्ष में वर्चुअली कार्यक्रम में संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े, कलेक्टर संजय अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष जगलाल सिंह, रोजगार अधिकारी सुश्री चारूचित्रा साय सहित लाभार्थी विजया कुमारी शिवप्रसादनगर, मईया पैंकरा कुसमुसी, सुधा राजवाड़े खोपा, पूजा रवि नवापारा खुर्द, निरज गुप्ता सलका, टकेश्वर सिंह गंगौटी,अंजना कुशवाहा लटोरी तथा अनुरंजना देवनगर उपस्थित रही। विदित हो कि योजनांतर्गत माह जून 2023 तक कुल 2625 पात्र हितग्राहियों को तृतीय किश्त की राशि का भुगतान किया चुका है। माह जुलाई 2023 में 55 हितग्राही और पात्रता की श्रेणी में जोड़े गयें है, इस प्रकार जिले में आज दिनांक तक कुल 2680 हितग्राही पात्रता की श्रेणी में हैं। माह जूलाई 2023 में कुल 2680 हितग्राहियों को बेरोजगारी भत्ता योजनांतर्गत चतुर्थ किश्त की राशि का भुगतान आज किया गया है। बेरोजगारी भत्ता के पात्र हितग्राहियों में से कुल 240 हितग्राहियों का कौशल विकास योजनांतर्गत के तहत् अलग.अलग कौशलों में प्रशिक्षण हेतु चयन कर प्रशिक्षण प्रदाय किया रहा है। प्रशिक्षण लाईवलीहुड कॉलेज के माध्यम से कोर्स सिटिंग मशीन ऑपरेटर, एसीसटेंड इलेक्ट्रीशियन, डोमेस्टिक डाटा एन्ट्री आपरेटर, फ ंट लाईन हेल्थ वर्कर, ऑटोमोटिव सर्विस टेक्नेशियन का प्रशिक्षण लैब की क्षमता अनुसार 180 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण संचालित है। इसी प्रकार पॉलेटिक्निक कॉलेज सूरजपुर कोर्स एसीसटेंड इलेक्ट्रीशियन में 30 एवं आईटीआई सूरजपुर में ऑटोमोटिव सर्विस टेक्नेशियन 30 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण कार्य प्रगति पर है। पात्र हितग्राहियों को रोजगार मेला के माध्यम विभिन्न फर्म, उद्योगों में कुल 73 रिक्त पद के विरूद्ध उनके रूचि अनुसार रोजगार प्रदाय किया जा चुका है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत् 10 हितग्राहियों से स्व.रोजगार हेतु लोन प्रदाय करने का आवेदन प्राप्त हुआ है। जिस पर कार्यवाही प्रगतिरत् है। कौशल विकास योजना के तहत् अधिक से अधिक युवाओं को लाभांवित करने बावत् प्रत्येक जनपद पंचायतों के 01.01 रीपा केन्द्रों को प्रशिक्षण स्थल का चयन किया है। जिसमें सोलर इस्टालेशन टेक्नेशियन, सिंविगं मशीन ऑपरेटर, रिटेल सेल्स एसोसिएट एवं फायर फाईटर का कोर्स चयन कर प्रशिक्षण प्रदान करने के उपरांत रोजगार एवं स्व.रोजगार से जोड़ने का कार्यवाही की जा रही है।

पवन कल्याण और साई धरम तेज की बीआरओ ने बॉक्स ऑफिस पर की धमाकेदार शुरुआत

पिछले साल भीमला नायक में नजर आए पवन कल्याण इस वर्ष अभिनेता साईं धरम के साथ फिल्म बीआरओ लेकर आए हैं। इस फिल्म को लेकर दक्षिण भारतीय दर्शकों में कितना जबरदस्त उत्साह था, यह फिल्म के पहले दिन नजर आए। सिनेमाघरों के बाहर टिकट के लिए दर्शकों की लम्बी लाइनें नजर आएं।

पवन कल्याण और साई धरम तेज की बीआरओ ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की। फिल्म ने पहले दिन जबरदस्त ओपनिंग की। फिल्म को पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर भारी दर्शक मिले। शुरुआती अनुमानों से पता चलता है कि फिल्म ने सिनेमाघरों में अपने पहले दिन में जबरदस्त शुरुआत की। उम्मीद है कि सप्ताहांत में फिल्म की कमाई और बढ़ेगी।

डेजी शाह हो सकती हैं 'नागिन 7' में अगली शिव नागिन

एकता कपूर का सुपरनैचुरल टीवी शो 'नागिन' का हर सीजन काफी हिट रहा है. हाल ही में तेजस्वी प्रकाश स्टारर 'नागिन 6' खत्म हुआ था. वहीं अब 'नागिन 7' की तैयारी भी शुरू हो चुकी है. हाल ही में मेकर्स ने 'नागिन 7' का प्रोमो भी जारी किया था जिसमें अगली शिव नागिन की झलक मिली थी. इसके बाद से चर्चा है कि 'नागिन 7' में गुम है शो की आयशा सिंह या बिग बॉस 16 फेम प्रियंका चाहर चौधरी लीड रोल प्ले कर सकती हैं. हालांकि दोनों ही एक्ट्रेस ने हाल ही में बयान जारी कर 'नागिन 7' करने की खबरों को खारिज कर दिया है. वहीं अब रुमर्स हैं कि सलमान खान की एक एक्ट्रेस 'नागिन 7' में लीड रोल में नजर आएंगी. 'नागिन 7' को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं. वहीं फैंस ये भी जानने के लिए बेकरार हैं कि इस बार 'नागिन 7' की लीड एक्ट्रेस कौन होगी. ऐसे में कई नामों को लेकर चर्चा हो रही है. वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'नागिन 7' के लिए मेकर्स ने सलमान खान की एक एक्ट्रेस को अप्रोच किया है. रिपोर्ट के मुताबिक शो से जुड़े एक सूत्र से जानकारी मिली है कि 'नागिन 7' के लिए सलमान खान के साथ जय हो में नजर आईं एक्ट्रेस डेजी शाह से कॉन्टेक्ट किया गया है. जल्द ही मेकर्स और डेजी शाह के बीच डील फाइनल होने की उम्मीद है. फिलहाल शो के लिए कास्टिंग चल रही है. हालांकि इस खबर पर कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं आई है. बता दें कि डेजी शाह बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं. अपने करियर की शुरुआत में डेजी शाह गणेश आचार्य की असिस्टेंट कोरिग्राफर थीं. उन्होंने कई तमिल फिल्मों में भी काम किया है. डेजी शाह ने साल 2013 में आई फिल्म ब्लडी इश्क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाई. इसके बाद डेजी शाह को सलमान खान के साथ जय हो फिल्म में काम करने का मौका मिला और इसी के साथ उन्हें बी टाउन में पहचान भी मिल गई. डेजी शाह ने हाल ही में खतरों के खिलाड़ी 13 की शूटिंग भी पूरी की है. जल्द ही ये शो ऑनएयर होने वाला है।

बैकलेस गाउन में साक्षी मलिक ने कराया हुस्न का दीदार

बोल्ड अवतार देख फैंस हुए बेकाबू

बॉलीवुड एक्ट्रेस साक्षी मलिक आए दिन अपनी हॉटनेस भरे अंदाज में तस्वीरें शेयर कर फैंस को हैरान कर देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस का दिलों की धड़कनें तेज हो जाती हैं। हाल ही में साक्षी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी स्टाइलिश अदाएं देखकर फैंस हैरान हो गए हैं। एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपनी बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बना देती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर शेयर होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही सिजलिंग और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर फैंस के बीच खलबली मचा दी है। इन तस्वीरों में उनका सुपरबोल्ड लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। साक्षी मलिक ने अपने फोटोशूट के दौरान रेड कलर का स्टाइलिश बैकलेस गाउन पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही खूबसूरत और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। साक्षी मलिक ने अपने इस कातिलाना और सेक्सी अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया है। बताते चलें कि साक्षी मलिक आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज फैंस के बीच पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर कहर ढा देता है।

सुष्मिता सेन की ताली का नया टीजर जारी, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

सुष्मिता सेन की वेब सीरीज ताली काफी समय से चर्चा में है। ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के जीवन पर बनी इस सीरीज का पोस्टर पहले ही जारी हो गया था।सुष्मिता ताली से जुड़े अपडेट्स सोशल मीडिया पर शेयर करती रही हैं। अब इस शो का नया टीजर जारी हुआ है, जिसमें किन्नर के किरदार में सुष्मिता का दमदार रूप नजर आ रहा है। साथ ही इसकी रिलीज तारीख भी सामने आ गई है। ताली 15 अगस्त से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी। इस शो में सुष्मिता गौरी सावंत का किरदार निभाएंगी।जियो सिनेमा के ताली तक।टीजर में कई दमदार दृश्य नजर आ रहे हैं। गौरी ट्रांसजेंडर ऐक्टिविस्ट हैं। वह किन्नरों के कल्याण के लिए सखी चार चौगी नाम की संस्था चलाती हैं। यह संस्था किन्नरों में सुरक्षित यौन संबंध के प्रति जागरूकता के लिए काम करती है।उन्होंने किन्नरों के गोद लेने के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी थी। 2008 में उन्होंने एक पांच साल की बच्ची को गोद लिया था जिसे मानव तस्करी में धकेला जा रहा था।उन्होंने किन्नर समुदाय को कानूनी तौर पर थर्ड जेंडर बनाने की लड़ाई लड़ी थी । 46 सेकेंड के इस टीजर में सुष्मिता का तेज-तर्रार अंदाज नजर आ रहा है। इस टीजर के वॉयस ओवर में सुष्मिता कहती हैं, मैं गौरी, जिसे कोई हिजड़ा बुलाता है,तो कोई सोशल वर्कर, कोई नौटंकी तो कोई गेम चेंजर। ये कहानी इसी सफर की है, गाली से

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सधी हुई शुरुआत

बॉक्स ऑफिस पर हॉलीवुड फिल्मों के दबदबे के बीच बीते दिन करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। रोमांस और ड्रामे से भरपूर इस फिल्म को दर्शक पसंद कर रहे हैं तो रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी भी शानदार लग रही है।फिल्म के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें इसने सधी हुई शुरुआत की है।

करण ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ 7 साल बाद निर्देशन क्षेत्र में वापसी की है। ऐसे में फिल्म से काफी उम्मीदें थीं।फिल्म में रणवीर और आलिया के अलावा धर्मेंद्र, जया बच्चन, शबाना आजमी जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 11.50 करोड़ रुपये कमाए हैं।अब वीकेंड पर फिल्म के कलेक्शन में बढ़त की उम्मीद की जा रही है।

एटली और वरुण धवन की फिल्म इस दिन होगी रिलीज, तारीख का हुआ ऐलान

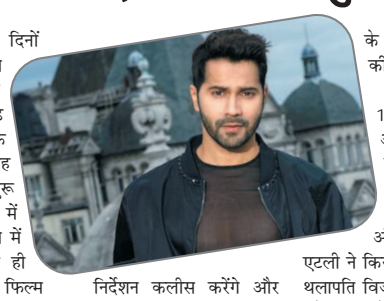

निर्देशक एटली इन दिनों शाहरुख खान की फिल्म जवान में व्यस्त हैं। यह उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म है। इस फिल्म के रिलीज से पहले ही वह अपनी दूसरी फिल्म भी शुरू कर चुके हैं। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जवान की ही तरह यह भी एक एक्शन फिल्म है। रविवार को इस फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान हो गया है। एटली-वरुण की साझेदारी वाली यह फिल्म 31, मई 2024 को रिलीज होगी। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इस फिल्म का निर्माण एटली, मुराद खेतानी के साथ कर रहे हैं। इसका निर्देशन कलीस करेंगे और फिल्म में दो महिला कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार अनुष्का शर्मा इस फिल्म का हिस्सा हैं और दूसरी अभिनेत्री की तलाश जारी है। पहले इस फिल्म के लिए जाह्नवी कपूर से संपर्क किया गया था। उनके इस फिल्म को ठुकराने के बाद फिल्म अनुष्का की झोली में आई।

यह वरुण धवन की 18वीं फिल्म होगी और यह तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। थेरी 2016 में आई थी और इसका निर्देशन एटली ने किया था। इस फिल्म में थलापति विजय, सामंथा रुथ प्रभु और एमी जैकसन मुख्य भूमिका में थे। रीमेक के लिए एटली ने स्क्रिप्ट को नए सिरे से तैयार किया है। उत्तर भारतीय दर्शकों के हिसाब से इसमें नए किरदार और ट्विस्ट जोड़े गए हैं। रिलीज डेट के बाद दर्शकों को इसके नाम का इंतजार है।

खेल

ट्राई सीरीज फाइनल

भारत vs स्पेन (3-0)

बार्सलोना। भारतीय हॉकी टीम ने रविवार को मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में सफलता हासिल की। विमेंस टीम ने ट्राई सीरीज में होम टीम स्पेन को 3-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। वहीं मेंस टीम ने प्रो-लीग के ब्रॉन्ज मेडल मैच में नीदरलैंड्स को 2-1 से हराया। स्पेनिश हॉकी फेडरेशन की 100वीं एनिवर्सरी पर स्पेन के बार्सलोना शहर में विमेंस हॉकी की ट्राई सीरीज और मेंस कैटेगरी में 4 टीमों की प्रो-लीग आयोजित की गई।

हॉकी...विमेंस टीम ने ट्राई सीरीज का गोल्ड जीता:मेजबान स्पेन को 3-0 से हराया

विमेंस टीम सीरीज में अजेय रही

बार्सलोना के टेरेसा शहर में भारत और स्पेन के बीच विमेंस ट्राई सीरीज का आखिरी मैच खेला गया। भारत से वंदना कटारिया ने 22वें मिनट, मोनिका ने 48वें मिनट और उदिता ने 58वें मिनट गोल दागे। स्पेन से कोई खिलाड़ी गोल स्कोर नहीं कर सकीं। फुल टाइम के बाद स्कोर लाइन 3-0 रही और भारत ने मैच जीता।

8वें रैंक की टीम इंडिया ने सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 और स्पेन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। तीसरे मैच में लालरेमसियामी की हैट्रिक से टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 3-0 से हराया और अब स्पेन को भी 3-0 से ही हराया। टीम रुप स्टेज में 8 पॉइंट्स के साथ टॉप पर रही और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। विमेंस टीम ट्राई सीरीज में अजेय रही। टीम ने 2 मुकाबले जीते और इतने ही मुकाबले ड्रॉ खेले। विमेंस टीम ट्राई सीरीज में अजेय रही। टीम ने 2 मुकाबले जीते और इतने ही मुकाबले ड्रॉ खेले। बार्सलोना में ही 4 टीमों के हॉकी प्रो-लीग का फाइनल और ब्रॉन्ज मेडल मैच भी खेला गया। भारत और नीदरलैंड थर्ड प्लेस मैच में भिड़े, जिसे टीम इंडिया ने 2-1 से जीता। भारत से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 15वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में डच टीम से थीएरी ब्रिंकमैन ने भी गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

3 क्वार्टर के बाद भी स्कोर लाइन बराबरी पर रही। तभी चौथे क्वार्टर के 50वें मिनट में भारत से दिलप्रीत सिंह ने गोल किया टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। फुल टाइम के बाद भी स्कोर लाइन 2-1 ही रही और टीम इंडिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। स्पेन ने गोल्ड और इंग्लैंड ने सिल्वर मेडल जीता।

एशियन गेम्स में हिस्सा लेंगी दोनों टीमें

भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स का हिस्सा भी रहेंगी। विमेंस टीम वर्ल्ड नंबर-8 टीम है, वहीं पुरुष टीम वर्ल्ड नंबर-4 टीम है। पुरुष टीम तो एशिया में टॉप रैंक टीम भी है। एशियन गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक इसी साल चीन में खेले जाएंगे।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत को दूसरे दिन 7 मेडल

शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह और आर्चरी मिक्स्ड टीम को गोल्ड, टैली में चौथे नंबर पर आया भारत

चेंगदू। चीन के चेंगदू शहर में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स खेले जा रहे है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने गेम्स के दूसरे दिन 7 मेडल जीते। जिनमें 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। इन मेडल की बदौलत भारत मेडल टैली में चौथे नंबर आ गया है। भारतीय टीम के नाम 5 गोल्ड समेत 11 मेडल हैं।

रविवार को भारत को पहला गोल्ड कंपाउंड मिक्स्ड आर्चरी टीम ने जीता। दिन का दूसरा गोल्ड 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने दिलाया।

फाइनल में भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने कोरिया को हराया

आर्चरी में कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने फाइनल में कोरिया को हराकर गोल्ड जीता। अमन सैनी और प्रगति की जोड़ी ने कोरिया के सुआ चो और सेउंगह्युन को 157-156 से हराकर पहले स्थान पर रहे। चीनी ताइपे की मिंग-चिंग लिन और जेड वेई वू की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

आर्चरी के कंपाउंड में विमेंस टीम को फाइनल में कोरिया से हार कर सिल्वर जीता। महिला कंपाउंड टीम पूर्वशा, प्रगति और अवनीत को कोरिया की सूइन सिम, सेउंगयुन से 224-229 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि में मेंस टीम भारतीय टीम ने कोरिया को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

संगमप्रीत बींसला, अमन सैनी और ऋषु यादव ने कोरिया मिनचांग क्वोन, हाकजिन सिम और सेउंगयुन पार्क को 229-225 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। चीनी ताइपे की मिंग-चिंग लिन, यि-हुआन लो, येन-हुआ सू ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

निकोलस पूरन ने 55 गेंदों पर 137 की पारी खेली

13 छक्के लगाकर जीता मेजर लीग टी-20 का फाइनल; MI न्यूयॉर्क बना पहला चैंपियन

डालास। MI न्यू यॉर्क ने अमेरिका की मेजर लीग टी-20 का पहला खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में सीटल ओरकास को 7 विकेट से हराकर पहला खिताब जीता। MI के कप्तान निकोलस पूरन ने 16 गेंद पर फिफ्टी लगाने के बाद 40 गेंद पर सेंचुरी लगाई। पूरन 137 रन के स्कोर पर नॉट आउट रहे और अपनी टीम को चैम्पियन बनाया।

डालास के ग्रैंड पीयर स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ओरकास टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में MI ने कप्तान पूरन की विस्फोटक पारी के दम पर 16 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया।

ओरकास से क्विंटन डी कॉक की फिफ्टी

ग्रैंड पीयर स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ओरकास को 5वें ओवर में ही पहला झटका लगा। ओपनर नौमान अनवर 9 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद शेहान जयसूर्या 16 और हेनरिक क्लासेन भी 4 रन बनाकर ही आउट हो गए। एक एंड से लगातार विकेट गिर रहे थे, लेकिन दूसरे एंड से क्विंटन डी कॉक ने तेजी से रन बनाए और अपनी फिफ्टी पूरी की। वह 52 बॉल पर 87 रन बनाकर 17वें ओवर में आउट हुए, लेकिन तब तक अपनी टीम का स्कोर 140 रन के पार पहुंचा चुके थे।

राशिद खान को 3 विकेट

डी कॉक के आउट होने के बाद ओरकास टीम से शुभम रंजन ने 29, इमाद वसीम ने 7 और ड्वेन प्रीटोरियस ने 21 रन बनाए। वेन पार्नेल 2 तो वहीं एंड्रूय्यू टाई और हरमीत सिंह 1-1 रन ही बना सके और ने टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 183 रन का स्कोर खड़ा किया।

एक नजर

टेस्ट क्रिकेट में इस खिलाड़ी ने की आखिरी बार बल्लेबाजी, मिला गार्ड ऑफ ऑनर

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को रविवार को ओवल में पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के चौथे दिन टेस्ट क्रिकेट में आखिरी बार बल्लेबाजी करने के लिए बाहर निकलते समय ऑस्ट्रेलिया की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर मिला।

37 वर्षीय ब्रॉड ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद घोषणा की थी कि वह खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने 602 टेस्ट विकेट के साथ अपना करियर समाप्त किया और 600 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले सिर्फ दो तेज गेंदबाजों में से एक बन गए, उनके साथ लंबे समय तक गेंदबाजी साथी रहे जेम्स एंडरसन भी यह कारनामा कर चुके हैं जो मैच के चौथे दिन ब्रॉड के साथ बल्लेबाजी करने आए थे। जैसे ही ब्रॉड और एंडरसन अपनी दूसरी पारी में इंग्लैंड की पारी को 389/9 से आगे बढ़ाने के लिए बाहर निकले, ऑस्ट्रेलिया टीम की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर और ओवल में दर्शकों की खचाखच भीड़ ने खड़े होकर तालियां बजाकर उनका स्वागत किया।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने बताया, जिस क्षण ब्रॉड और एंडरसन एक साथ बाहर निकले, मैं और मेल जोन्स लगभग स्वस्थ हो गए! ब्रॉडी ने जिमी के चारों ओर अपना हाथ रखा और कहा, 'आइए एक साथ गार्ड ऑफ ऑनर से गुजरें, हम ज्यादातर चीजों से एक साथ गुजरे हैं' लेकिन जिमी ने स्थिति को पूरी तरह से समझ लिया। यहां तक कि कुछ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने ब्रॉडी के अंतिम मैच में तालियां भी बजायीं। यह भावनात्मक क्षण था।

वारसॉ ओपन

जर्मनी की सीजमंड ने मारिया पर जीत के साथ फ़ाइनल में जगह बनायी

वारसॉ ,31 जुलाई । जर्मन टेनिस खिलाड़ी लौरा सीजमंड ने बीती रात अपनी हमवतन ताज्जाना मारिया को 5-7, 6-3, 6-4 से हराकर वारसॉ ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। मारिया ने शुरुआती सेट दो ब्रेक के साथ 7-5 से जीत लिया। सीजमंड, जिसने कुछ घंटे पहले अपना क्वार्टर फाइनल पूरा किया था, मजबूत सर्विस के साथ दूसरे सेट को अपने पक्ष में करने में कामयाब रही और लगातार तीन गेम जीतकर मैच में 1-1 से बराबरी कर ली। तीसरा सेट बहुत कड़ा साबित हुआ, लेकिन सीजमंड ने 5-4 की बढ़त बना ली और फाइनल में पहुंचने के लिए मारिया की सर्विस तोड़ दी। दूसरा सेमीफाइनल खराब रोशनी के कारण स्थगित कर दिया गया क्योंकि इगा स्वीयाटेक फाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर हैं। पोल खिलाड़ी ने पहला सेट 6-1 से जीता और संघर्ष रुकने से पहले दूसरे सेट में 5-5 से बराबरी कर ली। यह टूर्नामेंट के आखिरी दिन रविवार को भी जारी रहेगा।

अपनी विदाई समारोह में कलेक्टर झा ने बताया कि कोरबा से बहुत कुछ सीखा

ऐसा काम करिए की आपके जाने के बाद भी लोग याद करें-कलेक्टर संजीव झा

जोहार छत्तीसगढ़-कोरबा।

कोरबा जिला से बिलासपुर स्थानांतरण होने के पश्चात् कलेक्टर संजीव कुमार झा ने जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप को प्रभार सौंप दिया। इस दौरान कलेक्टर झा के सम्मान में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों-कर्मचारियों ने विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें नए जिले में पदस्थापना के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। अपने अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों से मिले सम्मान से अभिभूत झा ने सबको बीते 13 माह के कार्यकाल के अनुभव को साझा किया और कहा कि कोरबा एक अलग ही जिला के रूप में महसूस हुआ। औद्योगिक जिले में भूमि अधिग्रहण से लेकर अन्य चुनौतियां भी रहीं,यहां के प्रत्येक कर्मचारियों अधिकारियों से बहुत कुछ सीखने को मिला। कोरोना खत्म होने के बाद एक स्वस्थ माहौल में कोरबा में नियुक्ति के साथ ही अनुभवी और युवा टीम मिली। इस 13 माह के कार्यकाल में कहीं कोई अप्रिय बात जिला प्रशासन में देखने और सुनने को नहीं मिली, इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। झा ने कहा कि आप जब किसी विभाग या कार्यालय के मुखिया हैं तो आप अपने अधीनस्थ के प्रति विश्वास और भरोसा कायम करिए। यही भरोसा और विश्वास ही सबको एकजुट करता है और समन्वित सफलता दिलाता है। उन्होंने बताया कि प्रशासन का कार्य चुनौती और जवाबदेही से जुड़ा है। किसी टास्क को कैसे पूरा करना हे, इसके लिए रणनीति बनानी पड़ती है। इस दौरान कई समस्याएं आती हैं। जिसे दूर करना जरूरी होता है। झा ने कहा कि कभी भी संवादहीनता की स्थिति निर्मित नहीं होनी चाहिए। हम बहुत ही सौभाग्यशाली है कि ईश्वर ने हमें कुछ काम करने को भेजा है, चुना है। यदि हमारे प्रयास से किसी व्यक्ति को योजना का लाभ मिलता है। उनकी समस्याएं दूर हो जाती है, तो यह खुशी सिर्फ उन्हें ही नहीं हमें भी मिलती है, इसलिए हमें अपने कर्तव्य जिम्मेदारी को समझते हुए अपने सेवाकाल में ऐसे जनहित कार्य अवश्य करते रहने चाहिए कि आपके यहां से जाने के बाद भी लोग आपको और आपके कार्यों को याद रखें। कलेक्टर झा ने कहा कि शासन की विश्वसनीयता कलेक्ट्रेट से बनती है। लोगों का एक भरोसा ही है जो उन्हें कलेक्ट्रेट तक नि:संकोच खींच लाती है। वे आपसे मिलने और बात करने से भी नहीं डरते। उन्हें लगता है कि उन्हें यहां न्याय मिलेगा। इसलिए आप भी उनके भरोसे पर खरा उतरिए। कलेक्टर झा ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के लोग भी बहुत अच्छे हैं, मुझे यह जिला हमेशा याद रहेगा। विदाई समारोह में जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने बताया कि कलेक्टर झा के प्रोबेशनर थे। उनके साथ 08 माह काम करने का मौका मिला। बहुत कम समय में बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने जो टास्क दिए, वह सेवाकाल में बहुत काम आ रहे हैं। कलेक्टर झा के कार्यों को आज भी लोग याद करते हैं। एक अधिकारी को जैसा टीम लीडर होना चाहिए वे वैसे ही हैं। विश्वदीप ने झा द्वारा लैण्ड रिकॉर्ड, जल संरक्षण, भू-अर्जन सहित अन्य क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि उनके ही प्रयास से अंबिकापुर जिले को राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। अपर कलेक्टर प्रदीप साहू ने कहा कि एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जो गुण होनी चाहिए वह सब कुछ कलेक्टर झा में हैं। वे सौम्य और सरल होने के साथ आवश्यकता पड़ने पर कठोर भी बन जाते हैं। उनकी एक खूबी यह भी है कि वे सब कुछ पहले से भांप लेते हैं और उस दिशा में तैयारी कर चुनौती को आसान बना देते हैं। एसडीएम कटघोरा शिव बनर्जी ने कलेक्टर झा के साथ किए गए कार्यों के अनुभव को साझा किया। निर्वाचन कार्य के दौरान अन्य जिलों में उनके द्वारा बहुत ही शांत और सरल तरीके से कार्य किए जाने का जिक्र करते हुए बनर्जी ने बताया कि गलती होने पर भी वे डांट नहीं लगाते थे और उनसे अपनी किसी प्रकार की समस्या को शेयर किया जा सकता है। एसडीएम पाली सुश्री ऋचा सिंह, एसडीएम कोरबा सीमा पात्रे, संयुक्त कलेक्टर सेवाराम दीवान, डिप्टी कलेक्टर मनोज खाण्डे सहित कलेक्ट्रेट के अधीक्षक केएस कंवर एवं अन्य स्टाफ ने झा के व्यवहारए शालीनता की सराहना की और उनसे बहुत कुछ सीखते हुए इसे अपने जीवन में भी उतारने की बात कही। कलेक्टर झा ने अपने कार्यालयीन स्टाफ भृत्य, सैनिक, वाहन चालकों का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान भी किया।

एक नजर

एसडीएम जशपुर ने विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में ली बैठक

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जशपुर एसडीएम श्याम पटेल ने 2 अगस्त से विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में अविहित अधिकारी, पटवारी और नव गठित मतदान केंद्र के बीएलओ का बैठक लिया गया। बैठक में उन्होंनें नाम जोड़ने, सुधार करने एवं डिलेशन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही 2 अगस्त 2023 को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष ग्राम सभा के लिए कोटवारों के माध्यम से मुनादी करने के निर्देश दिए हैं। एडीएम पटेल ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर मतदाताओं में मतदान संबंध में जागरूकता लाई जाए।

जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन हेतु 4 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने प्राकृतिक आपदा में हुए जनहानि के 1 मामले में प्रभावित परिजन हेतु आरबीसी 6-4 के तहत 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। जिसके अंतर्गत दुलदुला विकासखंड के ग्राम खटंगा, निवासी मृतिका स्व. ललीता बाई का तालाब के पानी में डूबने से 7 मार्च 2023 को मृत्यु हो जाने के कारण मृतिका के निकटतम वारिस पुत्र देवेन्द्र कुमार निराला हेतु 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई हैं।

जिले में 1 जून से अब 336.8 मिमी वर्षा

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जशपुर जिले में 1 जून से अब तक 336.8 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 31 जुलाई तक औसत वर्षा 471.1 मिमी हुई है। बीते दिवस जिले में 0.0 मिमी वर्षा हुई है।

भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक तहसील जशपुर में 335.2 मिमी, मनोरा में 421.1 मिमी, कुनकुरी में 422.0 मिमी, दुलदुला में 371.4 मिमी, फरसाबहार में 185.2 मिमी, बगीचा में 385.2 मिमी, कांसाबेल में 187.7 मिमी, पत्थलगांव में 314.3 मिमी एवं सन्ना में 405.9 मिमी वर्षा हो चुकी है। सर्वाधिक वर्षा कुनकुरी तहसील में दर्ज की गई है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों को निराकृत करने के दिये निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने जनदर्शन के माध्यम से ग्रामीणजनों की शिकायतों और समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज आर्थिक सहायता, पानी की समस्या, रोजगार प्रदाय, मुआवजा, बंटवारा, सीमांकन, भूमि-विवाद, हेल्थ एंड वेल सेंटर में बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग, नामांतरण, भू-अभिलेख सुधार, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त प्रकरणों का जांच कर समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए।

बाघ दिवस के अवसर पर बाघों के संरक्षण से संबंधित लघु नाटिका आयोजित

कोरबा । भारत में बाघों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। बढ़ते शहरीकरण और सिमटते जंगलों ने बाघों से उनका आशियाना छीन लिया है। मानव ने भी बाघो के साथ क्रूरता बरतने में कोई कसर नही छोड़ी है । बाघ पारिस्थितिक पिरामिड तथा आहार श्रृंखला में सबसे बड़ा उपभोक्ता है। बात हाईस्कूल स्याहीमुड़ी की प्राचार्य फरहाना अली ने स्कूल परिसर मे भुंइया इको क्लब के तत्वावधान में आयोजित बाघ दिवस के अवसर पर कही। उन्होने कहा कि विश्व वन्यजीव कोष के अनुसार पूरे विश्व मे लगभग चार हजार बाघ बचे हैं, जिनमे सबसे ज्यादा तीन हजार छह सौ बाघ भारत मे हैं। इको क्लब प्रभारी प्रभा साव एवं पुष्पा बघेल की उपस्थिति में बाघ दिवस के अवसर पर बाघों के संरक्षण से संबंधित स्लोगन एवं लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। छात्रों द्वारा बाघ का मुखौटा एवं बाघ का ड्रेस पहनकर बाघों के साथ हो रही बर्बरता को दिखाने का प्रयास किया गया।

जिसमें गरिमा, आरती, शशांक,पीयूष, गणेश, रिमझिम,लक्ष्मी, नितिन, मंदाकिनी, दुर्गेश्वरी, जान्हवी ने इसमें सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रभा साव ने बताया कि बाघ को दुनिया की सबसे बड़ी बिल्ली होने की प्रतिष्ठा हासिल है। उन्होंने बताया कि बाघ का वैज्ञानिक नाम पैंथेरा टाइग्रेस है। रायल बंगाल टाइगर सबसे बड़ा टाइगर हैं। पिछली शताब्दी में सभी जंगली बाघों में से 97 प्रतिशत गायब हो गए थे ।अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस का उद्देश्य इस संख्या को बिगड़ने से रोकना है।

शासन की कृषि यांत्रिकीकरण योजना से आधुनिक कृषि को अपनाकर हो रहे समृद्ध किसान

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने आज अपने कक्ष में कृषि यांत्रिकीकरण योजना का लाभ पाने वाले लाभान्वित हितग्राही पत्थलगांव विकासखण्ड के ग्राम सुरेशपुर निवासी किसान ओम प्रकाश डनसेना से फोन विडियो कॉल के माध्यम से बात करके योजना की जानकारी ली और हितग्राही को योजना का लाभ मिलने पर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन की योजना के अंतर्गत संचालित कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत किसानों को 90 तरह के कृषि यंत्रों पर अनुदान दिए जाते है। यदि किसान योजना के तहत राज्य में निर्मित कृषि यंत्र खरीदता है, तो इन यंत्रों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान राशि दी जाती है तथा प्रणाली प्रबंधन वाले यंत्रों में भी सब्सिडी का प्रावधान होता है। लाभान्वित हितग्राही किसान ओम प्रकाश डनसेना ग्राम सुरेशपुर पत्थलगांव निवासी ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि कृषि यांत्रिकीकरण योजना का लाभ पाकर बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से 4 लाख प्राप्त हुआ था। योजना की जानकारी कृषि विभाग के अधिकारियों के माध्यम से प्राप्त हुई। उनके पास 25 एकड़ जमीन है जिसमें वह मक्का, धान, रागी और सुगंधित धान लगाया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में कृषि उपकरण नहीं होने लगभग दो लाख रुपए आय अर्जित करता था लेकिन वर्तमान में शासन के कृषि यांत्रिकीकरण योजना से 7.8 लाख रुपए आय लाभ अर्जित कर रहा है। छत्तीसगढ़ शासन की योजना की सराहाना करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यावद दिया है साथ ही अन्य लोगों को भी कृषि यांत्रिकीकरण योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कहा। किसान ओम प्रकाश डडसेना ने ट्रैक्टर, रीपर, डीजल पंप और पौधा संरक्षण यंत्र लिया है और किसान समृद्धि योजना अंतर्गत 25 हजार रुपए कृषि विभाग द्वारा मिला। कलेक्टर ने शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लेने प्रोत्साहित किया।

किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई आयोजित

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विगत दिवस कलेक्टोरेट के मंत्रणा सभा कक्ष में किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें विशेष देखरेख एवं संरक्षण युक्त बालकों के लिए तथा विधि से संघर्षरत बालकों के लिए प्रचलित कानूनों के विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई साथ ही इन बच्चों के लिए केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे मूलभूत योजना स्पोंसरसीप योजना, मुख्यमंत्री बाल उदय योजना, फोस्टर केयर व आफ्टर केयर योजना, पीएम केयर योजना, बाल संक्षम नीति, उम्मीद कार्यक्रम, उजियारी कार्यक्रम, छत्तीसगढ़ बालकोष दत्तकग्रहण प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में बच्चों के लिए कार्य कर रहे चाइल्ड लाइन व जीवन झरना के सदस्यों ने गांव के बच्चों में बढ़ रहे नशा के बारे में अवगत कराया तथा बच्चों में बढ़ रहे नशा प्रवृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु निवेदन किया गया। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिता डहरिया, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डमरूधर चौहान, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव महेश राज, किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान न्यायाधीश अनिल चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश, जिला बाल संरक्षण अधिकारी चन्द्रशेखर यादव, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य, एवं पुलिस, श्रम, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, नवा विहान, सखी वन स्टॉप, एकीकृत बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

फरसाकानी महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में टाऊ प्रसंस्करण प्रारंभ

टाऊ का आटा फलाहार होने से बाजारों में इसकी मांग अधिक

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजना से जिले में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है और महिलाओं एवं ग्रामीणों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर लोगों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो इस हेतु गौठानों में रीपा के तहत् अनेक मल्टीएक्टीविटी की जा रही है और स्थानीय महिलाओं को समूह के रूप में विकसित कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है साथ ही प्रशिक्षण पश्चात् रोजगार जोड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में कुनकुरी विकासखंड के फरसाकानी महात्मा गांधी ग्रामीण उद्योगिक पार्क में टाऊ प्रसंस्करण प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के दिशा-निर्देश एवं सीईओ जिला पंचायत संबित मिश्रा के मार्गदर्शन तथा तकनीकी सहयोगी संस्था वैदिक वाटिका जशपुर का सहयोग लेकर फरसाकानी महात्मा गांधी ग्रामीण उद्योगिक पार्क में ज्योति स्व सहायता समूह के महिलाएं टाऊ प्रोसेंसिंग का प्रशिक्षण लेकर के टाऊ का आटा विगत 5 दिनों से बनाना प्रारंभ कर किए हैं। तकनीकी सहयोगी संस्था वैदिक वाटिका जशपुर के समर्थ जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि ज्योति स्व सहायता समूह के 10 महिलाओं के साथ अन्य समूह के महिलाएं भी जुड़कर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में आटा उत्पादन की क्षमता 400 किलोग्राम है। जब पूरी मशीने चलने लगेंगी तो इसकी क्षमता में वृद्धि होगी। जिले में टाऊ की खेती बहुयात उगाया जाता है। टाऊ प्रसंस्करण केन्द्र नहीं होने से यहां के लोगों को इसका फायदा नहीं मिल पाता है। प्रसंस्करण केन्द्र नहीं होने के कारण किसान इससे 40 से 50 रूपए किलो में मोटा टाऊ को सस्ते दामों में बचते हैं। जब कि यह टाऊ का आटा फलाहार होता है जिससे इसकी मांग बाजारों अधिक रहती है और यह रिटेल में 130 से 140 रूपए किलो बिकता है। उन्होंने बताया कि जिले में दो जगह टाऊ प्रसंस्करण केन्द्र फरसाकानी और पंडरापाठ में लगवाएं गए हैं। फरसाकानी रीपा केन्द्र में महिलाएं आटा का उत्पादन तो कर ही हैं साथ में टाऊ का आटा, गेहूं का आटा, सूजी, मैदा उत्पादन के साथ-साथ मिलेट पास्ता भी बना रहे हैं। समूह द्वारा आटा और टाऊ का आटा बेचने के साथ पास्ता बनाकर के भी बेच रहे हैं। जो कि सामान्य पास्ता से काफी ज्यादा सेहतमंद है। टेस्ट में भी काफी ज्यादा है। उन्होंने बताया वैदिक वाटिका द्वारा समूह के महिलाओं को आटा बनाने और टाऊ से आटा बनाने का प्रशिक्षण विगत एक माह दिया दिया जा रहा है। समूह के महिलाओं ने प्रशिक्षण लेकर उत्पादन कार्य की शुरुआत कर दी है।

बगीचा विकासखंड में सर्पदंश के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

बगीचा विकासखंड में आज सर्पदंश के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें सहायक शिक्षक तेतरटोली कैंसर हुसैन के द्वारा सर्पदंश के संबंध में प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। जिसमें सर्पदंश के बचाव का प्रशिक्षण प्रदाय किया जायेगा। प्रशिक्षण में सरपंच, सुपरवाईजर, डब्लू.सी.डी., मितानिन, एम.टी., बी.सी., स्वास्थ्य सुपरवाईन, सी.एच.ओ., ए.एन.एम, बैगा-गुनिया, गांव प्रमुख एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिसमें सर्पदंश पर तुरंत क्या करें, सर्पदंश पर तुरंत क्या ना करें सहित सर्पदंश प्रबंधन के विषय पर जानकारी प्रदाय किया गया।

सर्पदंश पर तुरंत क्या करें-

काटे गये जगह को साबुन पानी से धोयें, दांत के निशान की जांच करें, कहीं जहरीले सर्प के काटने का दो दांत का निशान तो नहीं, काटे हुए अंग को हृदय के लेवल से नीचे रखें, सर्पदंश वाले अंग को फिक्स करें, बैंडेज घाव पर और उसके ऊपर लगाएं, घायल व्यक्ति को सांत्वना दें, घबराहट से हृदय गति तेज चलने से रक्त संचरण तेज हो जाएगा। और जहर सारे शरीर में जल्द फैल जायेगा। तुरंत अस्पताल ले जाएं। यदि जहरीले सर्प ने काटा है तो एन्टी वेनोम सांप-एवीएस लगवाए।

सर्पदंश पर तुरंत क्या ना करें-

बर्फ अथवा अन्य गर्म पदार्थ का इस्तेमाल काटे गए स्थान पर न करें, अशिक्षित व्यक्ति टर्निकेट अर्निकेट न बांधें। इससे संबंधित अंग में रक्त प्रवाह पूरी तरह रुक सकता है एवं संबंधित अंग की क्षति हो सकती हैं। काटे गये स्थल पर चीरा न लगाएं यह आगे नुकसान पहूंचाता हैं। घायल को चलने से रोकें। शराब या नींद आने की कोई दवा नहीं दें। मुंह से कटे हुए स्थान को न चुसे। मंत्र या तांत्रिक के झांसे में न आये।

सर्पदंश प्रबंधन-

भय एवं चिंता न करें सभी सांप जहरीले नहीं होते। सभी जहरीले सांपों के पास हर समय पूरा जहर नहीं होता अगर पूरा जहर हो तो भी वो इसका लीथल डोज हमेशा नहीं प्रवेश करा पातें हैं। सांप के काटने के उपरान्त काटने के निशान की जांच करें। जांच करे कि जहरीले या विषहीन सांप ने काटा हैं। विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले को जानकारी प्रदाय किया जाएगा एवं सभी प्रशिक्षक अपने ग्राम में लोगों को जागरूक कर सकें एवं सर्पदंश से होने वाले मृत्यु दर को कम किया जा सके।

रेल सुविधाओं के लिए सांसद गोमती प्रयासरत

सारंगढ़,खरसिया के पदाधिकारियों के साथ सांसद साय ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से की मुलाकात

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

जिले में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए सांसद गोमती साय के आज सारंगढ़ खरसिया जिला संगठन के पदाधिकारियों के साथ दिल्ली में रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से पार्लियामेंट में सौजन्य मुलाकात कर क्षेत्र की बहु प्रतीक्षित मांग से अवगत कराया। सांसद गोमती ने खरसिया भाजपा नेता प्रदेश सह संयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ कमल गर्ग खरसिया नगर मंडल अध्यक्ष सतीश अग्रवाल, भाजपा नगर पदाधिकारी अवध नारायण सोनी युवा मोर्चा पदाधिकारी,राधेश्याम राठौर,साहिल शर्मा, हर्ष अग्रवाल की मौजूदगी में खरसिया में हावड़ा पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस, पूरी जोध पुर एक्सप्रेस,बिलासपुर पटना एक्सप्रेस कामख्या एक्सप्रेस के स्टॉपेज की बहुप्रतीक्षित मांग से अवगत कराते हुए कहा बिलासपुर मंडल में स्थित खरसिया से उक्त सभी यात्री ट्रेनें होकर गुजरती है। चूकि खरसिया औद्योगिक क्षेत्र में बड़े उद्योग जिन्दल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड, नलवा स्टील प्लांट, मोनेट इस्पात, एसकेएस इस्पात, डीबी पावर प्लांट होने की वजह से प्रतिदिन दिल्ली एवम राजधानी से आवाजाही लगी रहती है एवं किरोड़ीमल नगर में भी इतवारी टाटा पैसेंजर, बिलासपुर टाटा पैसेंजर के स्टापेज की मांग की है। सभी ट्रेनों के स्टापेज होने से पर्यटन, धार्मिक स्थलों उच्च शिक्षा सुविधा, चिकित्सा सुविधा, आईटी हब जैसे स्थानों में आवागमन की सुविधा बढ़ेगी एवम व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार होगा। सांसद ने रायगढ़ वासियों के लिए जस्सीडीह वास्को डिगामा सुपर फास्ट, संतरा गांछी कवि गुरु सुपर फ ास्ट एक्सप्रेस एके स्टॉपेज की मांग रखी। वही सारंगढ़ क्षेत्र में रेल लाइन विस्तार हेतु सांसद गोमती साय व जाजंगीर.चाम्पा के सांसद गुहाराम अजगल्ले ने सारंगढ जिला भाजपा पदाधिकारी भाजपा जिलाध्यक्ष सुभाष जालान, जिला महामंत्री अजय गोपाल, जिला प्रवक्ता अरविंद हरिप्रिया,सारंगढ़ मण्डल अध्यक्ष मनोज जायसवाल, जीवन रात्रे, मीडिया से दीपक थवाईत, अमितेश केशरवानी एवम नरेश अग्रवाल की मौजूदगी में छग राजधानी रायपुर से बलौदाबाजार सारंगढ झारसुगुड़ा 310 किमी रेल लाइन निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग से अवगत कराया गया। सांसद गोमती ने रेल मंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि रायपुर बलौदा बाजार सारंगढ़.झारसुगड़ा रेल्वे लाईन दूरी 310 किमी रेल परियोजना स्वीकृत है। केन्द्रीय रेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सन् 2017-18 में इस नई रेल लाईन परियोजना के लिए 2163 करोड़ का अनुमानित व्यय आंकलन किया गया है। इस रेल परियोजना के डीपीआर हेतु 463 लाख रूपये का टेंडर जारी हुआ है। 2017-18 से 2023-24 के रेल बजट में नई लाईन के लिये प्रत्येक वर्ष टोकन जारी किया जा रहा है। नई लाईन के प्रारंभ होने से मुंबइ, हावड़ा लाईन पर दबाव तो कम होगा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वर्तमान रेल लाईन की तूलना में रायपुर से झारसुगड़ा की दूरी करीब 90 किण्मी तक कम होगी। नए रेल प्रोजेक्ट से प्रसिद्ध गिरौदपुरी धाम के अलावा शिवरीनारायण, बारनवापारा गोमर्डा अभ्यारण्य एवं वनांचल क्षेत्रों में रेल मार्ग होने से पूरे देष से जुड़ जाएंगें। इससे अंचल में अन्य प्रदेशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी। रेल लाईन से जुड़ने के बाद क्षेत्र व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध होगा तथा अंचल के विकास को गति मिलेगी। रेल लाईन की रूपरेखा खींचे जाने से सीमेंट हब के रूप में स्थापित हो रहे बलौदाबाजार को यातायात तथा रायगढ़ जिले के इस्पात, पावर प्लांट, जांजगीर जिले का पॉवर प्लांट के साथ जिले के समुचित विकास में और अधिक मदद मिलेगी। वही लोकसभा क्षेत्र रायगढ़ छत्तीसगढ़ अन्तर्गत सारंगढ़ अंचल और बरमकेला के अलावा पुसौर क्षेत्र में रेल लाईन सुविधा एक विकास के पत्थर के रूप में माना जायेगा। इसलिए रायपुर से बलौदाबाजार,सारंगढ़ झारसुगड़ा दूरी 310 किमी तक नई रेल लाईन का निर्माण जल्द से जल्द आवश्यक है। रेल मंत्री ने सांसद गोमती की मांग को मनोयोग से सुन कर शीघ्र ही इस पर ठोस पहल करने का आश्वासन दिया।

एक नजर

सम्पूर्ण जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 2 अगस्त को

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एकीकृत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 2 अगस्त 2023 को किया जाएगा। इस संबंध में उक्त तिथि को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सम्पूर्ण जिले में किए जाएंगे। इस हेतु उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने पृथक-पृथक गतिविधियां करने के लिए विभिन्न विभाग प्रमुखों को दायित्वों को निर्वहन किए जाने हेतु आदेशित किया गया है। जिसके तहत् साइकिल रैली प्रात: 7 बजे रणजीता स्टेडियम से एन.ई.एस. महाविद्यालय तक आयोजित किया जाएगा तथा जशपुर है तैयार, चुनई तिहार के थीम पर रणजीता स्टेडियम जशपुर में मानव श्रृंखला निर्माण के लिए जिला शिक्षा अधिकारी एवं एन.ई.एस. महा. वि. के प्राचार्य को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस प्रकार मैराथन जशपुर बस स्टैण्ड से एन.ई.एस. महाविद्यालय तक प्रात: 7 बजे से आयोजित है जिसमें दिव्यांग, थर्ड जेंडर, पीव्हीटीसी, वृद्धजन, महिलाएं, दिव्यांग आईकन को अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाएगा इसके लिए समाज कल्याण एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। सोशल मीडिया में प्रचार-प्रसार के लिए सर्व अनु.अधि. राजस्व एवं निर्वाण् रजि.अधि. जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी व ई-जिला प्रबंधक जशपुर जिले के ये मतदाताओं को सोशल मीडिया के माध्यम से विडियो एवं टेक्स्ट के द्वारा चुनाव में भागीदारी संबंधी मैजेस हेतु प्रोत्साहित करेंगे। कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों में महाविद्यालय एवं विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की रैली का आयोजन कर मतदान केन्द्रों में दर्ज समस्त मतदाताओं को जागरूक सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं नोडल अधिकारी एन.एस.एस. व एनसीसी द्वारा किया जाएगा। साथ ही एसडीएम व जनपद सीईओ द्वारा तीनों विधानसभा क्षेत्रों में क्षेत्र विशेष के आधार पर विशिष्ट थीम पर आधारित मतदान केन्द्र तैयार करते हुए मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा। मैं भारत हूं गीत एवं अन्य गीत, नारों के माध्यम से हाट बाजार स्थलों में मोबाईल प्रदर्शन वैन के द्वारा एसडीएम एवं संबंधित नोडल अधिकारी एम.डी.व्ही मतदाताओं को जागरूक करेंगें। सभी तहसीलदार एवं जनपद पंचायत सीईओ को तहसील व जनपद मुख्यालय के महत्वपूर्ण बसाहटों में मोटर साईकिल रैली का गरिमापूर्ण तरीके से आयोजन करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर बी.एल.ओ को मतदाता सूची का वाचन, मतह्यदाताओं से संकल्प एवं नये मतदाताओं के नाम पर वृक्षारोपण का कार्य जनपद सीईओ एवं एसडीएम द्वारा कराया जाएगा। मतदान केन्द्रों में सम्मान समारोह का आयोजन कर वृद्धजन, दिव्यांग एवं नवविवाहिता मतदाताओं का सम्मान जनपद सीईओ एवं तहसीलदार द्वारा किया जाएगा। संबंधित महाविद्यालयों प्राचार्य के द्वारा पोस्टर, नारा, भाषण और रंगोली प्रतियोगिता आयोजन कर जशपुर के मतदाताओं में मतदान संबंध जागरूकता लाया जाएगा।

मोदी सरकार ने की गरीबों की सेवा-ओपी

गरीबों की सेवादार मोदी की भाजपा सरकार

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा सही मायने के मोदी सरकार ने गरीबों की सेवा की है। देश के अंतिम पंक्ति में खड़े साधन विहीन लोगों की चिंता करते हुए उस तक विकास की रोशनी पहुंचाने का काम भाजपा ने किया है। आजादी के बाद से गरीबी खत्म करने का दावा करने वाली पार्टी कांग्रेस एवम इसके परिवार जनों ने पीढ़ियों तक राज किया लेकिन गरीबी खत्म नहीं हो पाई। गरीबों के जीवन सही मायने में सुख.सुविधायुक्त बनाने की दिशा मे मोदी सरकार ने कदम उठाए है। सेवा और सुशासन की भावना के जरिए देशवासियों की समृद्धि के लिये नि:स्वार्थ भाव से कार्य करना भाजपा की परिपाटी रही है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए ओपी चौधरी ने कहा भाजपा सरकार ने 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया। देश वासियों को 220 करोड़ मुफ्त वैक्सीन लगाकर महामारी के संकट से उबारा। 50 करोड़ देश वासियों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज की व्यवस्था की। 11.66 करोड़ परिवारों को पीने का साफ पानी मुहैया कराया। 4 लाख किलोमीटर की सड़कें बनाई। 11 करोड़ शौचालय बनाएं। 40.82 करोड़ लोगो को बिना गारंटी के ऋण दिया। 3.45 करोड़ आवास बनाकर दिया। 12 करोड़ किसानों को सालाना 6 हजार रुपए सहायता राशि दी। 19.59 करोड़ लोगो के घरों में एलपीजी गैस पहुंचाई। धारा 370 हटवाई गई। तीन तलाक कुप्रथा खत्म की गई।

कलेक्टर सिन्हा के छत्तीसगढ़िया अंदाज से सहज होकर जनसामान्य बता रहे अपनी समस्याएं

कलेक्टर ने बीमा की राशि सरिता को अतिशीघ्र दिलाने एलबीओ को दिए निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की छत्तीसगढ़ी बोली में का होगे दाई, दीदी, सियान जैसे संबोधन के साथ बातचीत का सरल अंदाज जन चौपाल में पहुंचे जन सामान्य को सहज महसूस कराता हैं। यहीं कारण है कि लोग अपनी समस्याओं को सहजता के साथ रख रहें हैं। कलेक्टर सिन्हा भी उनके समस्याओं को सुन त्वरित निराकरण के प्रयास के साथ अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश देते हैं, ताकि जन सामान्य की समस्याओं का अविलंब निराकरण हो सके। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर राजीव पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर रेखा चन्द्रा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा द्वारा जिले के जनसामान्य की समस्याओं को सुनने एवं निराकरण के लिए प्रति सोमवार जनचौपाल का आयोजन किया जाता हैं। आज आयोजित जन चौपाल में जब मोदी पारा रायगढ़ निवासी सरिता निषाद अपने दोनों बच्चों के साथ पहुंची तो कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि दीदी का समस्या हे, छत्तीसगढ़ी में बातचीत से सहज होते ही निषाद ने बताया कि उनके पति ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में बीमा करवाया था, लेकिन पति के मृत्यु के पश्चात् बीमा की राशि नहीं मिली है। उन्होंने बीमा राशि दिलवाने की मांग हेतु आवेदन दी। कलेक्टर सिन्हा ने एलबीओ को बैंक से बात कर आवेदन के निराकरण का निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विश्वास दिलाया कि उन्हें उनके बीमा की रकम मिल जायेगी। इस दौरान उन्होंने बच्चें से बात करते हुए छत्तीसगढ़ी में पूछा कि तोर नाम का हे अऊ कोन से क्लास में पढ़त हस, बच्चे ने बताया मोर नाम तरुण निषाद हे आऊ में चौथीं क्लास में पढ़थो। बच्चे ने कलेक्टर सिन्हा को पहाड़ा सुनाकर बताया जिससे खुश होकर कलेक्टर सिन्हा ने अपना पेन दिया, बच्चों द्वारा पुस्तकों की मांग पर उन्हें पुस्तक भी प्रदान किया। इसी तरह ग्राम-कलमी के रमेश कुमार साहू प्रसुति योजना का लाभ दिलाये जाने के संबंध में आवेदन लेकर आये थे। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी कंचन देवी का डिलीवरी के उपरांत भगिनी प्रसुति योजना के तहत आवेदन किया था। जबकि आवेदन सही होने पर भी यह लाभ नहीं मिल पाया है। इसी तरह कोसमनारा के तुलेश्वर साहू मजदूरी रकम दिलाने के संबंध में आवेदन लेकर आये थे। उन्होंने कहा कि दिलीप कुमार द्वारा मकान निर्माण कराया गया था। जिसमें मैं और मेरे कई साथी श्रमिक मजदूरी के रूप में कार्य किये थे। काम कराने के बाद दिलीप कुमार द्वारा हमारा बकाया मजदूरी भुगतान को नहीं दे रहा है। कलेक्टर ने श्रम पदाधिकारी रायगढ़ को उक्त आवेदन पर शीघ्र जांच करते हुए योजना का लाभ दिलाए जाने के निर्देश दिए। 4-5 माह से निराश्रित पेंशन नहीं मिलने से हो रही परेशानी को लेकर कोतरा रोड रायगढ़ निवासी लक्ष्मीन बाई निषाद आवेदन लेकर आयी थी। उन्होंने कलेक्टर से कहा कि निराश्रित पेंशन के अलावा आय को कोई अन्य साधन नहीं है जिसके चलते जीवन-यापन में काफ ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह कैदीमुड़ा के रसिक लाल सिदार भी निराश्रित पेंशन दिलाये जाने के संबंध में आवेदन लेकर आये थे। उन्होंने कहा कि जनगणना सर्वे सूची में नाम होने के बावजूद भी मेरा निराश्रित पेंशन के लिए कार्ड नहीं बनाया जा रहा है। उम्र दराज होने पर एवं कही दूसरे जगह कार्य नहीं कर पाने के कारण जीवन-यापन में कठिनाई हो रही है। कलेक्टर सिन्हा ने उप संचालक समाज कल्याण विभाग एवं नगर निगम को आवेदन पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए निराश्रित पेंशन का लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार जनचौपाल में पेंशन, राशन, राजस्व, चिकित्सा, पेयजल, भू-अर्जन, विद्युत, शिक्षा, वन अधिकार पत्र, पेंशन, श्रम, राशन आदि से संबंधित कुल 96 आवेदन प्राप्त हुए थे। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने जिला स्तरीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए।

एक मोटर सायकल सहित आरोपी गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा भावना गुप्ता भापुसे के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, डीएसपी कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन पर संपत्ति संबंधी अपराधो पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु आसूचना तंत्र मजबूत करने, सतत पेट्रोलिंग एवं गस्त सुदृढ कर संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर निगाह रखने एवं स्थायी वारेटीयों का पतातलास हेतु आवश्यक दिशा दृ निर्देश दिया गया है। इसी दौरान आज दिनांक 31 जुलाई 2023 को ग्राम भ्रमण जुर्म जरायम पतासाजी के दौरान जरिये मुखबिर सूचना मिली कि एक व्यक्ति राष्ट्रीय राजमार्ग के चिचोली कबाडी दुकान के पास मोटर सायकल बिक्री हेतु ग्राहक तलाश रहा है कि सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपी के कब्जे से एक हीरो होण्डा मोटर सायकल क्रमांक सीजी-12 ए. सी. 0826 कीमती करीबन 10,000 रूपये को आरोपी के कब्जे से जप्त किया गया। उक्त वाहन के संबंध में आरोपी द्वारा कोई वैध दस्तावेज कागजात नही पेश करने पर उक्त वाहन चोरी का होने की संदेह होने पर धारा 41;1ब, जाफौ/धारा 379 भादवि के तहत जप्त कर आरोपी ओम प्रकाश मानिकपुरी पिता संतोष मानिकपुरी उम्र 28 साल निवासी बांकीमोंगरा थाना बांकीमोगरा जिला कोरबाए हाल मुडपार दारूभट्ठी गली सोनी मकान कोरबा जिला कोरबा को 31 जुलाई 2023 को विधिवत गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना नांदघाट प्रभारी निरीक्षक जगदीश सिदार, प्रधान आरक्षक आनंद कुर्रे, विजय शुक्ला, दुर्गेश तिवारी, आरक्षक प्रताप यादव, रूपेन्द्र राजपूत, एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

बाल संप्रेक्षण गृह से चार अपचारी बालक फरार, एक पकड़ाया

कोरबा । बाल संप्रेक्षण गृह से चार अपचारी बालक सुरक्षा में लगे नगर सैनिक को चकमा देकर फार हो गए। पुलिस ने एक अपचारी बालक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं शेष तीन अपचारी बालको की पतासाजी की जा रही है, इनमें दो जांजगीर-चांपा जिले के हैं।

रिसदी में एक निजी भवन में संचालित बाल संप्रेक्षण गृह में अलग-अलग अपराधिक मामलों के करीब 45 अपचारी बालक निरुद्ध हैं। यहां कोरबा के अलावा जांजगीर-चांपा जिले के अपराधिक मामलों के अपचारी बालक भी रखे गए हैं। बताया जा रहा है कि सुरक्षा के लिए यह नगर सैनिकों को तैनात किया गया है। रविवार की सुबह करीब 9.30 बजे सुरक्षाकर्मी दरवाजा खोल कर बैठा था। इस दौरान योजना बनाकर चोरी के मामले के चार निरुद्ध अपचारी बालक फार हो गए। नगर सैनिक के नजरों के सामने ही सभी अपचारी बालक भाग्य वह उन्हें पकड़ने की कोशिश किया पर कामयाब नहीं रहा। इसकी सूचना मिलने पर हड़कंप मच गया। घटना की सूचना सिविल लाइन रामपुर थाना में दर्ज कराई गई।

लापता बच्चों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर पता साजिश शुरू की गई। इस दौरान पता चला कि सभी बच्चे रिसदी से बालको जाने वाले रास्ते से भागे हैं। इस आधार पर पुलिस ने नाकेबंदी की और बालको में एक अपचारी बालक को पकड़ने में सफलता मिली।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेरोजगारी भत्ता हितग्राहियों के खाते में राशि किया अंतरण

जिले के 3056 युवाओं को बेरोजगारी भत्ता के रूप में 76 लाख 40 हजार रुपये का हुआ भुगतान

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत आज वीडियो कॉन्फ्रें सिंग के माध्यम से चौथी किश्त के रूप में 1 लाख 22 हजार 625 हितग्राहियों के खाते में 31.71 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया। योजना के अंतर्गत अब तक 112 करोड़ रुपये से अधिक की राशि युवाओं के खाते में अंतरित की जा चुकी है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के पात्र हितग्राहियों को संबोधित करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में हितग्राही जुड़े थे। साथ ही सभी जिलों से वीडियो कॉन्फ्रें सिंग के माध्यम से पात्र हितग्राही भी जुड़े हुए थे। जिसमें जशपुर जिले से भी पात्र हितग्राही आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कलेक्टोरेट के एनआईसी कक्ष में वीडियो कांफ्रें सिंग के माध्यम से विधायक विनय कुमार भगत, कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल और जिला रोजगार अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण, अमित महतो, सूरज चौरसिया, सहत्रांशु पाठक एवं विभाग के विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित पात्र हितग्राही उपस्थित थे। इस अवसर पर जशपुर विधायक विनय भगत ने सभी हितग्राहियों को शुभकामनाएं दी। कलेक्टर डॉ. मित्तल ने भी सभी हितग्राहियों बधाई देते हुए लक्ष्य प्राप्त करने कड़ी मेहनत करने शुभकामनाएं दी। बेरोजगारी भत्ता मिलने से अपने जरूरी आवश्यकताओं की चीजों को युवा प्राप्त कर सकेंगे और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में आगे बढ़ सकेंगे। बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत चौथी किश्त के रूप में 1 लाख 22 हजार 625 हितग्राहियों के खाते में 31.71 करोड़ रुपये की। की राशि ऑनलाईन अंतरित की गई है। जिला रोजगार अधिकारी दुर्गेश्वरी सिंह ने बताया कि जशपुर जिले में 4 हजार से अधिक आवेदन अनुशंसित हुए है जिसमें 3 हजार से हितग्राही के खाते में पैसा हस्तांतरित हुए हैं। जशपुर जिले में अभी तक कुल 5 हजार से अधिक बेरोजगार युवाओं ने पंजीयन किया है। उन्होंने बताया की बेरोजगारी भत्ता मिलने वाले सभी युवाओं को कौशल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। अभी वर्तमान में 258 पात्र हितग्राहियों को लाइवलीहुड कॉलेज में अलग-अलग ट्रेड में कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र. / अ-2
वर्ष 2022-23

आवेदक भावेश पिता पन्नालाल निवासी ग्राम गिधवा तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम गिधवा प.नं.ह. 09 तहसील नांदघाट, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 800/3 रकबा 0.10 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यावसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 10.08.2023 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 28.07.2023 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय
अधिकारी (रा.)
नवागढ, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र. / अ-2
वर्ष 2022-23

आवेदक नीलम पिता पन्नालाल निवासी ग्राम गिधवा तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम गिधवा प.नं.ह. 09 तहसील नांदघाट, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 800/1 रकबा 0.10 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यावसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 10.08.2023 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 28.07.2023 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय
अधिकारी (रा.)
नवागढ, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र. / अ-2
वर्ष 2022-23

आवेदक सूरज पिता पन्नालाल निवासी ग्राम गिधवा तहसील नांदघाट जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम गिधवा प.नं.ह. 09 तहसील नांदघाट, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 800/2 रकबा 0.10 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यावसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 10.08.2023 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 28.07.2023 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय
अधिकारी (रा.)
नवागढ, जिला-बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार बाराद्वार, जिला सक्ती (छ.ग.)
// ईश्तहार//
रा.प्र.क्र. /अ-2/2022-23
ग्राम-सकरेली(बा.), प.ह.न.-10

श्रीमती शोसंती कुजूर पति राजनाथ भगत
निवासी नया बाराद्वार, तहसील नया बाराद्वार, जिला-सक्ती (छ.ग.)
..... आवेदिका
बनाम
छ.ग. शासन
.....
अनावेदक

एतद् द्वारा सर्वसाधारण निवासी ग्राम-सकरेली (बा.)प.ह.नं.-10 तहसील बाराद्वार को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती शोसंती कुजूर पति राजनाथ भगत निवासी ग्राम नया बाराद्वार, तहसील नया बाराद्वार, जिला-सक्ती (छ.ग.) द्वारा ग्राम सकरेली (बा.) स्थित अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 1255/9 रकबा 0.0320 हे. भूमि को आवासीय प्रायोजन के लिए व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती को प्रस्तुत किया है। जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी को कोई भी किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति करना है वह स्वयं या अपने वैध अभिभावक के माध्यम से प्रकरण में सुनवाई तिथि 18.08.2023 तक प्रस्तुत कर सकता है। तिथि बाद दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/07/2023 को मेरे शील मुद्रा से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
बाराद्वार

बरसात की बूंदा बांदी ने बढ़ाई 25 हजार किसानों की चिंता

अल्पवर्षा से अन्नदाता हुआ बेहाल कई किसान नहीं कर सके रोपा और बियासी

जोहार छत्तीसगढ़-गरियाबंद।

देवभोग के किसान अपने रबी फसल को लेकर भारी चिंतित है। चिंता की वजह कुछ और नहीं अल्प वर्षा है। क्षेत्र में कुल 25 हजार चार सौ चालीस किसान अपने कुल 25950 हेक्टेयर क्षेत्रफल में इस साल धान का फसल लगाये है।

इन किसानों के सालभर का भरण षोषण भी इसी फसल पर टिका हुआ है। किसान इसी फसल को बेचकर शादी विवाह से लेकर सालभर के सभी बड़े छोटे काम को आसानी से निपटा लेता है। इस वर्ष अल्प वर्षा ने किसान के सभी मनसूबे पर पानी फेर दिया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष रैनफाल 333 मी. मी. है जो पिछले वर्ष का रैनफाल 614 मी. मी. से आधा है।

कहीं बोवाई तो कहीं बियासी और कहीं पर रोपा अटका

बारिश की दगाबाजी के चलते आधे किसान फसल नहीं बो सके वही जो बो लिये उनके खेत में पानी की किल्लत से बियासी रुक गया किसानों के अनुसार बियासी नहीं होने से फसल का विकास रूक जाता है और बाली भी उतना नहीं आता। जिन किसानों ने अल्पवर्षा को देख रोपा का सोचा उसने रोपा के लिये थरहा डाला वो भी अल्पवर्षा के कारण जल गया वही जिनका थरहा ठीक ठाक उगा खेत मे पानी नहीं होने के कारण उनका रोपा अटका पड़ा है।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

मक्का दलहन फसल पर भी ग्रहण लगा

आंकड़ों की माने तो देवभोग क्षेत्र में इस वर्ष मक्का फसल 3280, अरहर 1750, कुल्थी 5, मुंगफली 2290 और सब्जी 131 किसानों ने लगाया है इनके फसल में भी इस साल अल्पवर्षा के चलते ग्रहण लग गया है।

सिंचाई सुविधा होकर भी बारिश के भरोसे अन्नदाता का खेती

सरकारी आंकड़ों की माने तो देवभोग और मैनपुर ब्लॉक में कुल 9284 एकड़ कृषि भूमि सिंचित है जिसको अच्छी रैनफाल में सिंचाई सुविधा मिल जाता है ऐसे ही क्षेत्र में कुल 7890 हजार किसान अपने धान के फसल के लिये मौसम के भरोसे खेती करते है बारिश नहीं हुआ तो उनका सारा फसल चौपट हो जाता है।

करोड़ों रूपये खर्च के बाद भी सभी संसाधन फेल

सरकार की सिंचाई परियोजना अंतर्गत देवभोग ब्लॉक में 12 जलाशय, 10 डायवर्सन और 01 जलप्लावन की परियोजना है। ये सब परियोजना भी वर्षा के ऊपर आश्रित है। इन परियोजनाओं में क्षेत्र के 3917 किसान परिवार को तभी लाभ मिलता है जब क्षेत्र में अच्छी बारिश होती है। शासन ने इन परियोजनाओं के लिए करोड़ों रूपये खर्च किये पर किसान को समय पर पानी नहीं मिल पाता है। हालांकि जलसंसाधन विभाग का दावा है इन परियोजनाओं से कई गांव को पानी मुहैया कराया गया पर जमीनी स्तर पर विभाग के दावे खोखले है।

एक नजर

आमसभा में मुख्यमंत्री के घोषणा के बाद भी नहीं बना सड़क

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

विधानसभा धरमजयगढ़ क्षेत्र की जनता को कब अच्छी सड़कों में चलने का सौभाग्य प्राप्त होगा। क्योंकि मुख्यमंत्री द्वारा दिए आश्वासन के बाद भी सड़क नहीं बन सका, और न ही अब बरसात में बनने की संभावना है। कुल मिलाकर क्षेत्र की सड़कों से आवागमन करना अब मुमकिन नहीं है। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र का मुख्यालय धरमजयगढ़ पहुंचने के लिए सभी मुख्य सड़क बदहाल स्थिति में है। कुछ महीनों पहले प्रदेश की मुखिया भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत छाल में आमसभा को संबोधित किया था। जिसमें उन्होंने से खराब सड़क का जिक्र करते हुए कहा था कि सड़क विभाग के प्रमुख सचिव को साथ लेकर आया हूं। जिनके द्वारा अब बहुत जल्द ही सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। क्षेत्र की जनता को बारिश से पहले चमचमाती सड़क मिल जाएगी। उसके बाद भी समय- समय पर भाजपा, कांग्रेस एवं आमजनता द्वारा सड़क को लेकर आंदोलन किया गया। जिसमें ठेकेदार के प्रतिनिधियों द्वारा कुछ महीनों में ही सड़क निर्माण करने की बात कही गई थी। लेकिन सभी दावे, वादे, आश्वासन सभी फेल हो गया। पिछली सरकार को सड़क पर लाने में खराब सड़क का बहुत बड़ा योगदान था। लगता है यह सरकार भी खराब को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है।

आई फ्लू संक्रमित 11 बच्चों का प्रधान पाठक ने हॉस्पिटल में कराया इलाज

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिलदहा,संकुल,कलमीटर, विकास खण्ड कोटा के प्रधान पाठक शिवकुमार छत्रवांणी अपने शिक्षक साथी हरीश कुमार जायसवाल,राजेश्वर गहवई,भृत्य चन्द्रकांत माण्डवा स्वयं सेवी शिक्षिका कु.नीतू श्यामले के सहयोग से विद्यालय के 11 छात्र-छात्राओं को जिसमें कु.शबनम 6 वीं कु.नम्रता भारद्वाज 6वीं पद्मिनी भारद्वाज 7वी,अनामिका भारद्वाज 7वीं, गीतांजलि बिंझवार 7वीं,प्राकृति कमल 8वीं, समीर श्यामले 6वीं, शुभम् भारद्वाज 6वीं, सोमेश बिंझवार 7वीं, उदय यादव 7वीं,सचिन बिंझवार 7वीं को स्वयं अपनी उपस्तिथि में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कलमीटर में ले जाकर ईलाज कराया।

सीईओ कछवाहा हुए सेवानिवृत, शिव टंडन ने पदभार संभाला

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

जनपद पंचायत धरमजयगढ़ सीईओ सुभाष चंद्र कछवाहा सेवानिवृत हो गए। जिन्हें जनपद पंचायत के सभाकक्ष में भावभीनी विदाई दी गई। जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी, मनरेगा स्टाफ सहित सचिव संघ द्वारा पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह दी गई। वहीं सभी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जनपद पंचायत धरमजयगढ़ अध्यक्ष पुनीत कुमार राठिया उपाध्यक्ष रमेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि सीईओ कछवाहा का कार्यकाल निर्विवाद रहा है। जिससे क्षेत्र के विकास कार्य सुचारू रूप से चल सका। कछवाहा ने भी सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी कर्मचारियों का अच्छा सहयोग मिला। धरमजयगढ़ का कार्यकाल यादगार रहेगा। वहीं दोपहर को ही शिव टंडन ने सीईओ धरमजयगढ़ का पदभार ग्रहण कर लिया।

आसमान को निहारता किसान, कब बरसेगी सावन की बदरिया

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ के आसपास क्षेत्रों में बारिश नहीं होने से किसान चिंतित होने लगे हैं। क्योंकि अभी तक खेती अधूरा पड़ा है। वहीं जो कुछ खेती हो गया है वह भी सूखने लगा है। किसान खेत जाकर फसल को देख आसमान को निहारता है और कहता है कब होगा सावन का झमाझम बारिश। बारिश की आस में किसान खेती करने आश लगाए बैठा है। क्षेत्र में धान खेती को छोड़कर ज्यादातर फसल लगभग लग चुका है। लेकिन बारिश नहीं होने से फसल सूखकर मरने लगा है। जिसमें मक्का की खेती सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। वहीं धान रोपाई के लिए खेतों में पानी नहीं है। आज भी ज्यादातर किसान खेती के लिए कर्ज लेते हैं। जिनका आय का मुख्य साधन खेती ही है। लेकिन बारिश नहीं होने से किसानों की माथे पर लकीर खींचने लगी है। क्योंकि फसल हो न हो कर्ज तो चुकाना ही पड़ेगा। जुलाई महीने के बीत जाने के बाद भी खेती के लिए पर्याप्त पानी नहीं होना, कहीं अकाल पड़ने की संभावना तो नहीं बन रही है। मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश की चेतावनी जारी की जाती है जिसे सुनकर किसानों को लगता है कुछ तो बारिश होगी। लेकिन धरमजयगढ़ क्षेत्र में भारी बारिश की चेतावनी भी बूंदा बांदी में निपट जाता है। कई गांवों में अब बारिश को लेकर पूजा अर्चना शुरू हो गई है।

मांड नदी में सेल्फी के दौरान डूबने से 11 वीं के छात्र की हुई मौत

जोहार छत्तीसगढ़-पालीडीह।

जशपुर के पत्थलगांव थाना क्षेत्र किलकिला स्थित मांड नदी में दोस्तों के साथ रविवार को घूमने गए 11वीं के छात्र ऋषभ वर्मा पत्थलगांव पालीडीह निवासी नदी में डूब जाने के खबर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई हैं। जिसके बाद पत्थलगांव कापू दोनों के सीमा होने से जुहू क्षेत्र की पुलिस टीम द्वारा ग्रामीणों की मद्द से देर रात तक खोजबीन जारी रही लेकिन रात होने के कारण छात्र का अभी तक पता नहीं चला है। मौके में गोताखोरों की टीम रात से ही पहुंच चुकी है और खोजबीन जारी है। आपको बता दें कि छात्र अपने दोस्तों के साथ किकेश्वर धाम मांड नदी स्थित एनीकट के पास घूमने गया था जहां वह सेल्फी लेने के दौरान पैर फिसल जाने से मांड नदी में डूबने से यह घटना घटी है।

दुर्ग बना कंजेक्टिवाइटिस का हॉट स्पॉट

रायपुर नंबर दो पर, पूरे प्रदेश में अब तक 19873 मरीज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आई फ्लू धीरे-धीरे करके अपने पांव पसार रहा है. बारिश के बाद गर्मी और उमस से कंजेक्टिवाइटिस का वायरस तेजी से फैल रहा है.जिसे लेकर छत्तीसगढ़ सरकार चिंतित है. पिछले दिनों सीएम भूपेश बघेल ने इस बारे में स्वास्थ्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे. पूरे छत्तीसगढ़ की बात करें तो हर जिले में औसतन 25 से 40 मरीज रोजाना सामने आ रहे हैं. छत्तीसगढ़ के

सबसे बड़े सरकारी अस्पताल डॉ भीमराव अंबेडकर चिकित्सालय में पिछले 7 दिनों में 300 से ज्यादा मरीजों में आई फ्लू के लक्षण पाए गए हैं।

आई फ्लू को लेकर समीक्षा बैठक = आई फ्लू के बढ़ते मामले को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव भी काफी गंभीर नजर आ रहे हैं.टीएस सिंहदेव ने आईफ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए हाईलेवल मीटिंग ली.जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से आईफ्लू की प्रदेश में स्थिति को जाना.बैठक के बाद टीएस सिंहदेव ने आई फ्लू के ताजा आंकड़ें बताएं।

मुख्यमंत्री जी ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों को बुलाकर समीक्षा बैठक ली और स्थिति को जाना. 800 लोग अभी तक इससे प्रभावित पाए गए हैं.इसकी दवाइयां भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.अगर कभी और दवाइयों की आवश्यकता पड़ी तो तत्काल क्रॉलिटी चेक के बाद उसे खरीदा जा सकता है. कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं कि आंख की रोशनी जा सकती है जो कि पूर्णता असत्य है.

-टीएस सिंहदेव,स्वास्थ्य मंत्री

कांग्रेस की वादाखिलाफी की वजह से गई संविदाकर्मी की जान- ओपी चौधरी

ओपी ने कहा मजलुमो की आह कांग्रेस को ले डूबेगी

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

भूपेश सरकार की वादाखिलाफी को लेकर आंदोलन रत संविदा कर्मी पंडरिया निवासी की मौत का जिम्मेदार भूपेश सरकार को बताते हुए भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी ने संविदाकर्मी मोतीलाल की जान ली है। उनकी यह शहादत व्यर्थ नही जाएगी। छत्तीसगढ़ की जनता और कर्मचारी कांग्रेस को वादाखिलाफी के लिए माफ नहीं करेगी। जारी बयान में ओपी चौधरी ने कहा सत्ता में आने के पहले कांग्रेस ने कर्मचारियों से नियमितीकरण का वादा किया था। तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए भूपेश बघेल ने 10 दिन में संविदा कर्मियों के नियमितीकरण का लिखित में वादा किया था। लेकिन जन घोषणा पत्र समिति प्रमुख रहे। उप मुख्यमंत्री सिंहदेव बयान दे रहे है कि संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण मुश्किल है। दूसरी तरफ इनके संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे का बयान है कि संविदा कर्मियों के नियमियतीकरण हेतु केबिनेट में चर्चा हो रही है। पौने 5 साल से इस तरह झूठे आश्वासन देकर कांग्रेस इस मुद्दे पर टालमटोल कर रही है। इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए ओपी ने कहा, पंडरिया में हड़ताली संविदा कर्मी की मृत्यु पीड़ा दाई है। कांग्रेस सरकार मानवीय संवेदना की सारी सीमाएं लांघ चुकी हैं भाजपा ने संविदा कर्मचारियों की मांग का समर्थन किया है। सत्ता हासिल करने के लिए कांग्रेस ने संविदा कर्मियों से नियमितीकरण का झूठा वादा किया। इस वादा खिलाफी की वजह से प्रदेश भर के संविदा कर्मचारियों को अन्न जल का त्याग कर अनशन हेतु मजबूर होना पड़ा है। मृत कर्मचारी की चार माह की बच्ची अनाथ हो गई। आने वाले चुनाव के दौरान मजलुमो की आह कांग्रेस को भी यतीम कर देगी।

आला अधिकारी बन रहें अनजान

वन भूमि को अपना बताकर रेंजर ने कटवा डाले 50 से ज्यादा पेड़

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

जंगल को अब तक तस्करों और शिकारियों से ही खतरा था। लेकिन अब जंगलों की सुरक्षा जिनके हाथ मे है वे ही जंगल के दुश्मन बन गए हैं। जी हां सुनने में अटपटा सा जरूर लगेगा। लेकिन जिला मुख्यालय के रायगढ़ रेंज में यह बात सौ फीसदी सच बैठती है।

यहां की रेंजर ने अपने पद और वर्दी का ऐसा रौब दिखाया कि जंगल की जमीन को अपना बताने तुली हुई है। अपने एक रिश्तेदार के नाम का रेंजर ने जंगल विभाग के कम्पार्टमेंट की 1 एकड़ 18 डिसमिल जमीन पर दावा किया है। जिसके बाद उक्त जमीन पर अपना दावा ठोकते हुए धड़ाधड़ 50 से अधिक इमारती और मिश्रित प्रजाति के वृक्षों की बलि ले ली गई। जिस जंगल से वृक्षों की कटाई की गई वहा कभी विभाग ने ही प्लांटेशन करवाया था। जंगल से प्लांटेशन के वृक्षों को काटने का सबूत वे ठूठ है। जो बयां कर रही है कि उसे बचाने वालों ने ही उसकी बलि ले ली। रेंजर के इस कारनामे के बाद वन प्रबंधन समिति के पदाधिकारी और सदस्य आक्रोश में हैं। जल्द ही रेंजर के इस काले कारनामे की शिकायत करने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार रायगढ़ वनपरिक्षेत्र अन्तर्गत आने वाले कम्पार्टमेंट नम्बर 927 पीएफ तिलगा,भगोरा में कुछ वर्ष पूर्व वन विभाग ने सागौन प्लांटेशन करवाया था। इसी प्लांटेशन से लगे 1 एकड़ 18 डिसमिल की वन भूमि पर वर्तमान रायगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी की एक रिश्तेदार के नाम पर होने का दावा किया जा रहा है। जिसके बाद विभाग में वन भूमि को खरीदने को लेकर काना फूंसी चालू हो गई। बताया जा रहा है कि विभाग में कुछ ही महीने पूर्व आई रेंजर के कारनामे की भनक आला अधिकारियों को भी हो गई। लेकिन इसके बाद भी रेंजर ने उक्त कम्पार्टमेंट के जमीन में लगे 50 से अधिक सागौन, काजू और विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों को खुलेआम यह कहकर कटवा दिया गया कि उक्त जमीन उनकी है। प्लांटेशन के पेड़ों को काटने से बवाल भी मचा, जहां क्षेत्र में पदस्थ कर्मियों ने इसे गलत बताया तो वहीं वन प्रबंधन समिति भगोरा के लोगों में आक्रोश देखने को मिला। बताया जा रहा है कि आला अधिकारियों ने इसके लिए रेंजर को फटकार भी लगाया था लेकिन विभागीय मामला होने के कारण पूरे मामले को दबा दिया गया। छोटे कर्मचारी इसलिए कुछ नहीं बोल सके क्योंकि रेंज अधिकारी का मामला था। तो क्या अब वन अधिकारियों को यह छूट मिल जानी चाहिए कि वे अपने मनमर्जी से जंगल को तबाह और कब्जा ले। या फिर डीएफओ का परिचय देते हुए अपने रेंजर पर किसी तरह की कठोरतम कार्रवाई करती हैं। यह समय बताएगा।

रेंजर की करेंगे शिकायत

वन प्रबंधन समिति भगोरा के पदाधिकारी रेंजर की मनमानी और जंगल को उजाड़ने को लेकर बेहद आक्रोशित हैं। समिति के अभिराम राठियाए भरमवर राठियाए गौरांग बारिगए भूषण गुप्ता व अन्य का कहना है कि वे अपने जंगल को किसी भी कीमत पर उजाड़ होना नहीं देना चाहते। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त जमीन रेंजर के रिश्तेदार के नाम पर रजिस्ट्री किये जाने की बात भी वे सुने हैं। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही रेंजर रायगढ़ की शिकायत विधायकए कलेक्टर और डीएफओ से करेंगे। इस सम्बंध में रायगढ़ रेंजर से भी बात करने की कोशिश की गई पर उनसे बात नहीं हो सकी।

क्या कहती हैं डीएफओ

इस सम्बंध में रायगढ़ डीएफओ स्टाइलो मंडावी का कहना है कि कम्पार्टमेंट की जमीन में कब्जा या वन भूमि पर अवैध कटाई हुई हैए तो इसकी जांच कराई जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in